RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

वर्ष : 27 | अंक : 241 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, बुधवार, 20 अगस्त, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता पर हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर एक युवक ने हमला कर दिया। ये घटना तब हुई जब वे सीएम आवास में जनसुनवाई कर रही थीं। जनसुनवाई के दौरान आरोपी ने सीएम को कुछ कागज दिए। इसके बाद वह जोर-जोर से चिल्लाने लगा। आरोप है कि इसी दौरान उसने मुख्यमंत्री पर हमला कर दिया। इसके साथ ही अभद्र भाषा का प्रयोग भी किया। शुरुआती जानकारी में सामने आया था कि हमलावर ने सीएम को थप्पड़ मारा था, हालांकि दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने इस तरह के दावों का खंडन किया है। उन्होंने साफ किया कि सुनवाई के दौरान उस व्यक्ति ने उन पर हमला किया। फिलहाल दिल्ली पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले

लिया है। आरोपी की पहचान राजेश भाई खिमजी भाई सकारिया के रूप में हुई है। पुलिस पूछताछ में पता चला है कि दिल्ली सीएम पर हमला करने वाला आरोपी राजेश भाई खिमजी भाई सकारिया गुजरात के राजकोट का रहने वाला है। गुजरात के राजकोट शहर में कोठारिया रोड स्थित गोकुल पार्क में अपनी पत्नी, बेटे और माता-पिता के साथ रहता है। आरोपी की मां भानुबेन ने बताया कि वह किसी राजनैतिक दल से जुड़ा हुआ नहीं है। वह जानवरों को प्रेम करता है। दिल्ली में आवारा कुत्तों को लेकर सुप्रीम कोर्ट के हालिया आदेश से वह परेशान था और इसी आदेश को लेकर एक विरोध प्रदर्शन में भाग लेने के लिए वह दिल्ली गया था। भानुबेन ने कहा कि आज की घटना के बारे में उन्हें जानकारी नहीं है।

फिलहाल आरोपी को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। साथ ही कहा है कि आरोपी के इरादों का पता **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

बहलोलपुर पहुंचे विधायक, ग्रामीणों से किया जनसंवाद तथा सुनी समस्याएं

नोएडा (चेतना मंच)। 'चलो गांव की ओर' अभियान के तीसरे दिन आज नोएडा के विधायक तथा भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष पंकज सिंह ने बहलोलपुर, गढ़ी चौखंडी, निठारी तथा नया बांस का दौरा किया।

आज विधायक सबसे पहले 10.30 बजे बहलोलपुर गाँव पहुंचे। बारातघर में पार्टी के नेताओं तथा प्राधिकरण के अधिकारियों के समक्ष ग्रामीणों ने विधायक के समक्ष कई समस्याएं रखीं। अधिकांश ग्रामीणों ने सड़क, जल एवं सीवर, उद्यान, बिजली आदि से संबंधित समस्याएं रखीं। विधायक ने सभी की शिकायतें सुनीं तथा प्राधिकरण के अधिकारियों को सभी के समाधान करने के निर्देश दिये। इसके बाद विधायक गढ़ी चौखंडी के लिए रवाना हो गए। खबर लिखे जाने तक विधायक का जनसंवाद कार्यक्रम जारी था। **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

सीपी राधाकृष्णन ने उपराष्ट्रपति पद के लिए किया नामांकन

नई दिल्ली (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति पद के लिए एनडीए उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन ने अपना नामांकन दाखिल कर दिया है। इस दौरान उनके साथ पीएम मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ, गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू, केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी के साथ-साथ भाजपा और एनडीए के तमाम नेता भी मौजूद रहे।

जानकारी के मुताबिक, पीएम मोदी ने रिटर्निंग ऑफिसर को नामांकन पत्रों के 4 सेट सौंपे हैं। नामांकन पत्रों के इन चार सेटों में पीएम मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह और जदयू नेता राजीव रंजन सिंह मुख्य प्रस्तावक हैं। तमिलनाडु में जन्मे सीपी राधाकृष्णन गाउंडर- कोंगु वेल्लालर यानी ओबीसी समुदाय से आते हैं। वे तमिलनाडु से उपराष्ट्रपति बनने वाले वे **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

लूट व हत्या का आरोपी दबोचा

घर में घुसकर की थी लूटपाट तथा वृद्ध महिला की हत्या

नोएडा (चेतना मंच)। घर में घुसकर लूट करने के बाद वृद्ध महिला की हत्या करने के आरोपी को थाना बादलपुर पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ के दौरान गोली लगने से बदमाश घायल हो गया। इसके पास से तमंचा कारतूस व महिला से लूटे गए सोने के कुंडल व नाक की लौंग बरामद हुई है।

सेंट्रल जोन के डीसीपी शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि थाना बादलपुर पुलिस रोजा याकूबपुर के रेलवे के बंद पड़े फाटक के पास चैकिंग कर रही थी। इस दौरान पुलिस ने एक व्यक्ति **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

नशे में धुत्त युवक ने नर्स से की छेड़छाड़

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-39 स्थित जिला अस्पताल में कार्यरत नर्स ने एक युवक के खिलाफ छेड़छाड़ व अभद्र व्यवहार करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। आरोपी युवक ने नशे में नर्स को पकड़कर उसे जबरदस्ती खींचने का प्रयास किया।

मामला जिला अस्पताल का

जिला अस्पताल के मेडिसिन के महिला वार्ड में नर्सिंग ऑफिसर के पद पर कार्यरत सीमा (काल्पनिक नाम) ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि पिछले 1 अगस्त से उसकी रात्रि की ड्यूटी चल रही है। 18 अगस्त की रात्रि को वह महिला वार्ड में ड्यूटी पर थी इस दौरान मनोज शर्मा नामक व्यक्ति शराब के नशे में वार्ड में पहुंचा। वह बार-बार उसे वार्ड के पीछे चलने को कह रहा था उसने जब मना किया तो उसने उसका हाथ पकड़ लिया और जबरदस्ती वार्ड के पीछे ले जाने लगा किसी तरह उसने अपने आप को उसके चंगुल से छुड़ाया। इस दौरान वह उसके साथ बदतमीज भी कर रहा था। शोर शराबा सुनकर वार्ड इंचार्ज तथा **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

नशा मुक्ति केंद्र में युवक की संदिग्ध मौत

परिजनों ने लगाया मारपीट व जान से मारने का आरोप

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-63 जिला नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती कराए गए युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजन मारपीट की वजह से युवक की मौत होने का आरोप लगा रहे हैं।

मोहल्ला हरसाय खिड़की जनपद आगरा निवासी मनीष ने अपने भाई पिंटू को सेक्टर 63 स्थित नशा मुक्ति केंद्र में 17 अगस्त की रात्रि को भर्ती कराया था। नशा मुक्ति केंद्र संचालको ने उसे अपने मेरठ टीपी नगर सुशांत सिटी में स्थित अपने दूसरे नशा मुक्ति केंद्र में भेज दिया था। 19 अगस्त की रात्रि को

मेरठ में भर्ती पिंटू की तबीयत बिगड़ गई नशा मुक्ति केंद्र संचालकों ने उसके भाई को सूचना दी और पिंटू को उपचार के लिए एम्स अस्पताल ले गए रास्ते में ही पिंटू की मौत हो गई।

मृतक पिंटू के भाई मनीष वह मोहर सिंह उसके शव को लेकर सेक्टर 63 आ गए। दोनों भाइयों का आरोप है **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

अदालती आदेश पर एसीपी, एसओ व चौकी प्रभारी की जांच डीसीपी को सौंपी

कमिश्नरेट पुलिस ने जांच आख्या सौंपने के लिए कोर्ट से मांगा 15 दिन का समय

गाजियाबाद। (ब्यूरो)। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) गाजियाबाद के आदेश पर पुलिस कमिश्नर ने चौकी प्रभारी, थानेदार और सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) के खिलाफ जांच की जिम्मेदारी पुलिस उपायुक्त ट्रांस हिंडन को सौंपी है। तीनों के बयान दर्ज न होने के कारण पुलिस विभाग ने रिपोर्ट प्रेषित करने के लिए कोर्ट से 15 दिन का समय मांगा है। सीजेएम कोर्ट ने इस केस की अगली सुनवाई के लिए 2 सितंबर की तिथि तय की है। उधर, इस मामले में पुलिस द्वारा वरिष्ठ अधिवक्ता पर अनावश्यक तरीके से बयान दर्ज कराने का दबाव डाला जा रहा है। शालीमार गार्डन थानांतर्गत राजेंद्र नगर स्थित शुभ धाम अपार्टमेंट में वरिष्ठ अधिवक्ता आदेश कुमार रहते हैं। अधिवक्ता के साथ-साथ वह सीनियर सिटीजन भी हैं। विगत 19 मई 2024 को उन्हें सोसाइटी परिसर में संचालित आरडब्ल्यूए ऑफिस में बातचीत करने हेतु बुलाया गया था। आरोप है कि वहां कुछ व्यक्तियों ने सुनियोजित षड्यंत्र के तहत उनके साथ **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

गैंगस्टर में वांछित बदमाश दबोचा

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-39 पुलिस ने गैंगस्टर में वांछित चल रहे एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। इसके पास से तमंचा कारतूस भी बरामद हुए हैं। पकड़ा गया बदमाश आपराधिक वारदात को अंजाम देने के इरादे से घूम रहा था।

थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस टीम बोटैनिकल गार्डन मेट्रो स्टेशन के पास गस्त पर थी। इस दौरान मुखबिर ने सूचना दी की खाने पर पंजीकृत गैंगस्टर एक्ट के मुकदमे में वांछित **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

कांग्रेसियों ने मनाई राजीव गांधी की जयंती

नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुद्धनगर युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष जावेद खान/उत्तर प्रदेश युवा कांग्रेस पश्चिम प्रदेश महासचिव शाहबुद्दीन के नेतृत्व में सैक्टर 8,9,10 तिराहे पर पूर्व प्रधानमंत्री **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

कार का शीशा तोड़ लैपटॉप उड़ाया

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-49 क्षेत्र के बुध बाजार बरौला में सब्जी खरीदने गए एक व्यक्ति की कार का शीशा तोड़कर चोरों ने लैपटॉप चोरी कर लिया।

सेक्टर 50 के डी ब्लॉक में रहने वाले विकज चौधरी ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह 13 अगस्त की शाम को अपनी कर से बरौला में लगने वाले बुध बाजार में सब्जी लेने के लिए आए थे उन्होंने अपनी कर सड़क किनारे खड़ी कर दी और सब्जी खरीदने चले गए कुछ समय बाद **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

संगठन महामंत्री की पाठशाला में भाजपा अध्यक्षों की लगी क्लास!

संगठनात्मक बैठक में नोएडा तथा गौतमबुद्धनगर नीचे से 4 व 5वें स्थान पर

नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी के गढ़ कहे जाने वाले नोएडा तथा गौतमबुद्धनगर में भारतीय जनता पार्टी के सांगठनिक क्रियाकलापों पर अब सवालिया निशान लगने लगे हैं। यह सवाल किसी और ने नहीं बल्कि भाजपा के प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने उठाये हैं।

दरअसल 13 अगस्त को ग्रेटर नोएडा के रेड कॉर्पेट प्रतिष्ठान में प्रदेश महामंत्री धर्मपाल ने पार्टी की सांगठनिक समीक्षा की थी। इस समीक्षा बैठक में क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेन्द्र सिसोदिया, महामंत्री हरीश सिंह समेत कई पदाधिकारी तथा नोएडा व गौतमबुद्धनगर समेत कई जनपदों के जिला व महानगर अध्यक्ष भी मौजूद थे।

बैठक में मौजूद पार्टी के सूत्रों ने बताया कि महामंत्री ने बूथ कमेटी तथा शक्ति केन्द्रों को लेकर जब सवाल किए तो नोएडा तथा गौतमबुद्धनगर समेत कई अध्यक्ष बगले झांकते नजर आए। कुछ अध्यक्षों को बूथ अध्यक्षों के नाम तक पता नहीं थे। इस पर महामंत्री ने अध्यक्षों की जमकर फटकार लगाई। सूत्रों की मानें तो सांगठनात्मक क्रियाकलापों के मददेनजर नोएडा को नीचे से चौथा तथा गौतमबुद्धनगर को 5वां स्थान मिला है। वहीं गाजियाबाद, मेरठ तथा रामपुर की स्थिति इससे भी नीचे आंकी गई।

पार्टी के सूत्र ही बताते हैं कि दिसंबर 2024 में हुई पार्टी की संगठनात्मक समीक्षा में नोएडा के प्रदेश में पहला स्थान हासिल हुआ था। महामंत्री ने बैठक में अध्यक्षों से कहा कि वे स्वागत समारोह तथा फोटो सेशन तक सीमित न रहें। संगठन को मजबूती प्रदान करने के लिए जुट जाएं।

आगामी निकाय तथा विधानसभा चुनाव के मददेनजर अभी से संगठन, बूथ कमेटी के सशक्तिकरण में लगें।

मुठभेड़ में मोबाइल स्नैचर गिरफ्तार

पुलिस की गोली से घायल
मोटरसाइकिल व तमंचा आदि बरामद

गाजियाबाद। (ब्यूरो) थाना साहिबाबाद पुलिस टीम ने मोबाइल स्नैचिंग करने वाला एक अभियुक्त मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से 1 अवैध तमंचा, 1 खोखा कारतूस, 1 जिन्दा कारतूस, स्नैचिंग किया हुआ 1 मोबाइल फोन व चोरी की 1 मोटर साइकिल बरामद की है।

सुबह थाना साहिबाबाद पुलिस टीम द्वारा लुट व स्नैचिंग की घटनाओं की रोकथाम हेतु सिटी फॉरेस्ट से नाग द्वार चौराहे की तरफ आने वाले मार्ग पर चैकिंग की जा रही थी। चैकिंग के दौरान पुलिस टीम द्वारा मोटर साइकिल पर सवार आ रहे दो संदिग्ध व्यक्ति को रूकने का इशारा किया गया परंतु पुलिस टीम के इशारे पर न रूकते हुए भागने लगे तथा पुलिस टीम द्वारा उनका पीछा किया तो मोटर साइकिल सवार दो व्यक्ति ने पुलिस टीम द्वारा अपने आप को घिरता देख कुछ दूरी से पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायर कर दिया। पुलिस टीम द्वारा अपने आप को बचाते हुए आत्मरक्षार्थ जवाबी कार्यवाही में फायर किया। जिसमें एक अभियुक्त के पैर में गोली लग गई। जिससे अभियुक्त घायल होकर नीचे गिर गया तथा दूसरा अभियुक्त मौका देखकर भाग गया । पुलिस टीम द्वारा मौके से एक अभियुक्त को घायल अवस्था में गिरफ्तार कर लिया गया। घायल अभियुक्त ने अपना नाम अमन पुत्र ओमवीर निवासी 30 फूटा रोड गली न0 11 नंदग्राम थाना नंदग्राम गाजियाबाद उम्र करीब 28 वर्ष बताया जिसके कब्जे से 01 अवैध तमंचा, 01 खोखा कारतूस, 01 जिन्दा कारतूस, स्नैचिंग किया हुआ 01 मोबाइल फोन व चोरी की 01 मोटर साइकिल बरामद हुई । घायल अभियुक्त को इलाज हेतु अस्पताल भेज दिया गया है **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

वोट चोरी पर फंसे 'ज्ञानेश'

देश के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के चेहरे पर तल्खी और चिंता की लकीरें पढ़ी जा सकती थीं। वह कुछ गुस्से में भी लग रहे थे। बेशक 'वोट चोरी' के गंभीर आरोपों के बीच उन्हें चुनावी शुद्धता और निष्पक्षता साबित करनी थी, लेकिन अधिकांश समय वह एकालाप की स्थिति में रहे। मुख्य चुनाव आयुक्त अपनी पहली प्रेस वार्ता में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के आरोपिया सवालों के संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। सिर्फ इतना ही कहा कि 'वोट चोरी' शब्द उचित नहीं है। वे संविधान का अपमान करते हैं। संसद और आम मतदाता के विवेक का अपमान करते हैं।' दरअसल इस मुद्दे को सार्वजनिक रूप से उछालने या चुनाव आयोग और भाजपा-आरएसएस की मिलीभगत सरीखे पूर्वाग्रही आरोप लगाने की जरूरत नहीं होनी चाहिए थी। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को आयोग के कार्यालय में आमंत्रित कर सकते थे, क्योंकि दोनों व्यक्ति संवैधानिक पदों पर आसीन हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त विपक्ष के नेता के आरोपों और उनकी आशंकाओं को सुनते और एक संतोषजनक जवाब देने की कोशिश करते। दुर्भाग्य और विडंबना है कि ऐसा नहीं किया जा सका, बल्कि दोनों ही मैदान में कूद पड़े। यह बिल्कुल भी लोकतांत्रिक नहीं था, लेकिन मुख्य चुनाव आयुक्त राजनीतिक जुबां में बोलते रहे कि चुनाव आयोग आरोपों से नहीं डरता। वोटर को अपराधी कहना ठीक नहीं है। चुनाव आयोग के कंधे पर बंदूक रख कर सियासत न करें। ज्ञानेश कुमार ने राहुल गांधी को दो टूक कहा-'या तो सात दिनों में हलफनामा दें अथवा देश से माफी मांगें। तीसरा कोई विकल्प नहीं है।'' दरअसल इस बयान में धमकी भी निहित है। चुनाव आयुक्त से यह अपेक्षा नहीं की जाती। राहुल गांधी की टीम ने क्या अपराध किया है, जो वह देश से माफी मांगें? टीम ने आयोग के दस्तावेजी तथ्यों से 'वोट चोरी' का जो निष्कर्ष निकाला है, उसे चुनाव आयोग ही गलत साबित कर कांग्रेसी टीम को बेनकाब कर सकता था। मुख्य चुनाव आयुक्त ऐसा क्यों नहीं कर पाए? उन्हें हलफनामा ही क्यों चाहिए? भाजपा नेताओं के 'वोट चोरी' के पुराने आरोपों पर हलफनामे क्यों नहीं मांगे गए? चुनाव आयोग तटस्थ, ईमानदार और पारदर्शी नहीं लगता। पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त हलफनामे को गैर-जरूरी मानते हैं। बहरहाल अब 'वोट चोरी' कमोबेश बिहार विधानसभा चुनाव का मुख्य मुद्दा बन गया है। मताधिकार को संविधान से जोड़ कर नेरेटिव तैयार किया गया है। लोग भ्रमित होकर भावुकता में बह सकते हैं। राहुल गांधी और तेजस्वी यादव 'वोटर अधिकार यात्रा' पर हैं। चुनाव आयोग की खूब छीछालेदर की जा रही है। हालांकि मुद्दा अब भी सर्वोच्च अदालत के विचाराधीन है। अगली सुनवाई 22 अगस्त को है। चुनाव आयोग ने इतना जरूर किया है कि जिन 65.64 लाख मतदाताओं के नाम सूचियों से काट दिए गए हैं, उन्हें आयोग की वेबसाइटों पर सार्वजनिक किया गया है। अंतिम संतुष्टि सर्वोच्च अदालत की होगी, क्योंकि अदालत ने इतने नाम काट देने के 'कारण' भी पूछे हैं। शीर्ष अदालत ने इस आशय का अंतरिम आदेश दिया था। अदालत ने स्थानीय भाषा के और अंग्रेजी अखबारों समेत टीवी एवं सोशल मीडिया में अच्छी तरह उनके नाम छापने और प्रसारित करने के आदेश भी दिए थे। चुनाव आयोग को ऐसा ही करना पड़ेगा। 'वोट चोरी' न भी कहें, लेकिन मतदाता सूचियों में गड़बड़ी एक पुरानी और सर्वत्र व्याप्त विसंगति रही है। बेशक मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण किए जाते रहे हैं। चुनाव आयोग को बिंदुवार जवाब देना चाहिए कि बाहरी देशों के कितने अवैध वोटर हैं, जिनके नाम सूची से काट दिए गए हैं।

रामचरित मानस

पिछले अंक में आपने पढ़ा था कि जो मृग श्री रामजी के बाण से मारे जाते थे, वे शरीर छोड़कर देवलोक को चले जाते थे। श्री रामचन्द्रजी अपने छोटे भाइयों और सखाओं के साथ भोजन करते हैं और माता-पिता की आज्ञा का पालन करते हैं॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

जेहि बिधि सुखी होहिं पुर लोगा। करहिं कृपानिधि सोइ संजोगा॥
बेद पुरान सुनहिं मन लाई। आपु कहहिं अनुजन्ह समुझाई॥

जिस प्रकार नगर के लोग सुखी हों, कृपानिधान श्री रामचन्द्रजी वही संयोग (लीला) करते हैं। वे मन लगाकर वेद-पुराण सुनते हैं और फिर स्वयं छोटे भाइयों को समझाकर कहते हैं॥

प्रातकाल उठि कै रघुनाथा। मातु पिता गुरु नावहिं माथा॥
आयसु मागि करहिं पुर काजा। देखि चरित हरषइ मन राजा

श्री रघुनाथजी प्रात:काल उठकर माता-पिता और गुरु को मस्तक नवाते हैं और आज्ञा लेकर नगर का काम करते हैं। उनके चरित्र देख-देखकर राजा मन में बड़े हर्षित होते हैं॥

दो0- ब्यापक अकल अनीह अज निर्गुन नाम न रूप।
भगत हेतु नाना बिधि करत चरित्र अनूप॥

जो व्यापक, अकल (निरवयव), इच्छारहित, अजन्मा और निर्गुण है तथा जिनका न नाम है न रूप, वही भगवान भक्तों के लिए नाना प्रकार के अनुपम (अलौकिक) चरित्र करते हैं॥ **(क्रमशः..)**

मतों की हेराफेरी के जनक और उनके परनाती की सनक

कांग्रेस के नेतागण जब चुनाव हार जाते हैं, या हारने की सम्भावना देख लेते हैं, तब वे ईवीएम में गडबडी का राग अलापने लगते हैं। हॉलाकि चुनावी मतदान के लिए ईवीएम का इस्तेमाल ही हो रहा है- पहले की तत्सम्बन्धी व्यवस्था में होती रही गडबडियों को रोकने के लिए। 'ईवीएम' की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते रहने वाले कांग्रेसी नेतागण अब इन दिनों मतदाता-सूची में हेराफेरी का एक नया शोर मचा रहे हैं। वे कहीं यह कह रहे हैं कि चुनाव आयोग द्वारा निर्मित सूची में फर्जी मतदाताओं के नाम दर्ज हैं, तो कहीं यह कि भारतीय जनता पार्टी मतों की चोरी कर के चुनावी जीत हासिल की है और तब सत्तासीन हुई है। वे कर्नाटक में मतदाता-सूची के शुद्धिकरण की मांग कर रहे हैं, तो बिहार में आसन्न चुनाव से पहले हो रहे उक्त शुद्धिकरण का विरोध करते रहे हैं और अब जब चुनाव आयोग ने वहां के 65 लाख फर्जी मतदाओं के नामों को सूची से खारिज कर दिया है, तब वे उन्हें वापस दर्ज करने-कराने के लिए पटना की सड़कों से ले कर दिल्ली की संसद तक हंगामा बरपा रहे हैं।

ऐसे तमाम कांग्रेसी नेताओं को यह जान लेना चाहिए कि चुनावी मतों की हेरा-फेरी और प्रशासनिक धाक से मतों की चोरी के व्याकरण का आविष्कार कांग्रेस के द्वारा ही किया गया है, जिसके जनक हमारे ऐतिहासिक चाचाजी ही हैं। लोकसभा के प्रथम चुनाव (1952 में) ही इस आविष्कार का सफल परीक्षण कर हमारे चाचाजी ने कांग्रेस को चुनाव जीतने का यह मंत्र दे दिया था- भविष्य में इसका प्रयोग करते रहने के लिए। जी हां, हमारे चाचाजी, अर्थात वर्तमान कांग्रेस के सबसे नामदार युवा नेता के 'परनाना' जी! जिन्हें सारी दुनिया जवाहरलाल नेहरु के नाम से जानती है। आज उन्हीं का 'परनाती' उपरोक्त हंगामे का नेतृत्व कर रहा है। यह दावा मैं ऐसे ही नहीं कर रहा हूं, बल्कि उन्हीं चाचाजी के जमाने के उस प्रशासनिक अधिकारी की पुस्तक से कर रहा हूं जो उस चुनावी हेरा-फेरी में एक माध्यम बने हुए थे। उन दिनों उतर प्रदेश की सरकार के सूचना-निदेशक रहे शम्भूनाथ टण्डन ने अपने एक लेख में यह खुलासा करते हुए लिखा है कि चुनाव में जीत-हार की हेरा-फेरी के लिए मत-पत्रों की अदली-बदली एवं 'बूथ कैप्चरिंग' जैसे हथकण्डों के मास्टरमाइण्ड थे- जवाहरलाल नेहरु। उनके लेख का पूरा शीर्षक है- ''जब विशन सेठ ने मौलाना आजाद को धूल चटाई थी, भारत के इतिहास की एक अनजान घटना।'' अखिल भारतीय खत्री महासभा द्वारा हिन्दू महासभाई नेता केशनलाल सेठ के सम्मान में प्रकाशित स्मृति ग्रंथ में संलित है उनका यह लेख।

बकौल शम्भूनाथ टण्डन- 'वर्ष 1952 में हुए प्रथम आम चुनाव में कांग्रेस के एक दर्जन दिग्गज प्रत्याशी चुनाव हार गये थे, जिन्हें नेहरु ने प्रशासन पर दबाव दे कर जबरिया जितवाया था। उनमें एक तो हमारे वो चाचा जी स्वयं भी थे।' दिग्गज कांग्रेसियों की हार का कारण यह था कि देश-विभाजन में कांग्रेस की भूमिका और उससे उत्पन्न हालातों से देश भर में कांग्रेस-नेतृत्व के विरुद्ध जनाक्रोश उबल रहा था। तब हिन्दू महासभा देश-विभाजन के लिए नेहरु व कांग्रेस को दोषी ठहराते हुए देश भर में उनके विरुद्ध वातावरण बना रखी थी और उस लोकसभा-चुनाव में प्राय: हर दिग्गज कांग्रेसी के खिलाफ अपने दमदार प्रत्याशी खडा किये हुए थी। उसने फूलपुर क्षेत्र में जवाहर लाल नेहरु के खिलाफ जाने-माने प्रखर संत प्रभुदत्त ब्रह्मचारी को खडा किया था, तो रामपुर में मौलाना आजाद के विरुद्ध वहां के लोकप्रिय नेता विशनचन्द सेठ को। कांग्रेस के बडे नेताओं को सर्वत्र कडी चुनौती मिल रही थी। किन्तु अन्तरीम सरकार की कमान चूँकि नेहरू के हाथ में ही थी, इस कारण चाचाजी ने कांग्रेस-प्रत्याशियों की जीत सुनिश्चित करने के लिए शासन-तंत्र का जम कर दुरुपयोग किया। मतदान के दौरान शासन-तंत्र ने लोकतंत्र के लिए जो किया सो तो किया ही; असली खेल तो हमारे चाचाजी मतगणना के दिन खेले। शासनतंत्र को यह पाठ पहले ही पढा दिया गया था कि लोकतंत्र की सलामती के लिए नेहरु को हर हाल में सदा ही अजेय बनाये रखना है; सो मतों की गिनती के दौरान प्रभुदत्त ब्रह्मचारी की जीत जब सुनिश्चित सी दिखने लगी, तब प्रशासनिक अधिकारियों ने अन्तिम चक्र में उनकी पेटी से 2000 मतपत्रों को निकाल कर नेहरुजी की पेटी में मिला कर गिनती पूरी कर दी। इस प्रकार हमारे चाचाजी बहुमत से चुनाव जीत गए।

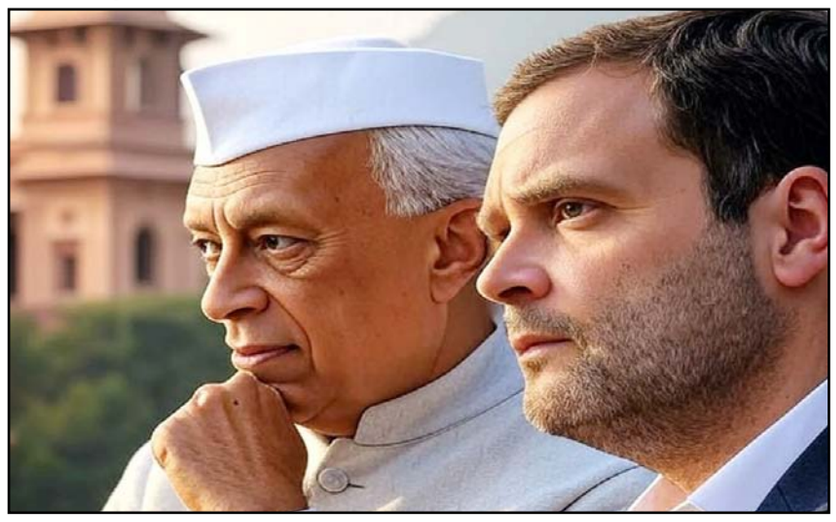

बकौल शम्भूनाथ टण्डन- 'वर्ष 1952 में हुए प्रथम आम चुनाव में कांग्रेस के एक दर्जन दिग्गज प्रत्याशी चुनाव हार गये थे, जिन्हें नेहरु ने प्रशासन पर दबाव दे कर जबरिया जितवाया था। उनमें एक तो हमारे वो चाचा जी स्वयं भी थे।'

मालूम हो कि उन दिनों हर प्रत्याशी के लिए अलग-अलग मतपेटियां ही हुआ करती थीं, प्रत्याशी या दल के नाम किसी चिन्ह पर मुहर नहीं लगाई जाती थी, बल्कि मतपत्र को अपने पसंदिदा प्रत्याशी की पेटी में डाल देने का विधान था। इस कारण मतपत्रों की हेरा-फेरी बहुत आसानी से हो सकती थी। अपने लेख में टण्डन साहब लिखते हैं- सेठ विशनचन्द्र के पक्ष में भारी मतदान हुआ था और मतगणना के पश्चात् प्रशासन ने बाक़ायदा लाउडस्पीकरों से सेठ विशनचन्द्र को 10000 वोटों से विजयी घोषित कर दिया था। उस जीत की ख़ुशी में हिन्दू महासभा के लोग विशाल विजय-जुलूस भी निकाल चुके थे। किन्तु जैसे ही यह समाचार वायरलैस के द्वारा लखनऊ होते हुए दिल्ली पहुँचा कि मौलाना अबुल आ?द चुनाव हार गए, सुनते ही चाचाजी तिलमिला उठे। उन्होंने तुरन्त उत्तर प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमन्त्री पं. गोविन्द वल्लभ पन्त को चेतावनी दे डाली कि मैं मौलाना की हार किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं कर सकता, और अगर मौलाना को आप जिता नहीं सकते, तो शाम तक मुख्यमंत्री-पद से इस्तीफा दे दीजिए। फिर क्या था ! पंतजी ने

आनन फानन में मुझे (सूचना निदेशक-शम्भूनाथ टण्डन को) बुलाया और रामपुर के जिलाधिकारी से सम्पर्क कर उसे किसी भी कीमत पर मौलाना आजाद को जिताने का आदेश देने को कहा । बकौल टण्डन, उन्होंने पंतजी से जब यह बताया कि ऐसा करने से देश में दंगे भी भड़क सकते हैं, तो पन्तजी ने कहा कि देश जाये भाड़ में, नेहरू जी का हुक़्म है। बकौल ट्ण्डन-फिर तो मौलाना को जिताने के लिए रामपुर के जिलाधिकरी निर्देशित कर दिए गए। तदोपरांत रामपुर का कोतवाल जीत की बधाइयां स्वीकार कर रहे सेठ विशनचन्द्र के पास गया और कहा कि आपको डीएम साहब बुला रहे हैं। सेठ जी जब जिलाधिकारी से मिले तब उसने कहा कि मतगणना अभी-अभी दुबारा होने वाली है। हिन्दू महासभा के उस उमीदवार ने इसका क?ि विरोध किया और कहा कि मेरे सभी कार्यकर्ता विजय-जुलूस निकाले हुए हैं, तो ऐसे में आप मेरे मतगणना-एजेंट के बिना दुबारा मतगणना कैसे कर सकते हैं? लेकिन उनकी एक नहीं सुनी गई। जिलाधिकारी ने सेठ जी के सामने ही उनकी मत-पेटी से हजारों मत-पत्र निकाल कर मौलाना की मत-पेटी में

मिलाते हुए साफ़-साफ़ कह दिया कि सेठ जी! हम अपनी नौकरी बचाने के लिए आपकी बलि ले रहे हैं, क्योंकि यह नेहरूजी का आदेश है। असहाय बने सेठ जी देखते रह गए और जिलाधिकारी ने पूर्व घोषित चुनाव-परिणाम को रद्द करते हुए पुनघोर्षित चुनाव-परिणाम के आधार पर हिन्दू महासभा के उस प्रत्याशी को चुनाव हरा कर कांग्रेस-प्रत्याशी मौलाना अब्दुल कलाम को विजयी घोषित कर दिया।

तो इस तरह से हमारे चाचाजी अर्थात वर्तमान कांग्रेस के सदाबहार युवा नेता के परनाना जी ने कांग्रेस को चुनावी जीत-हार कामंत्र प्रदान करते हुए लोकतंत्र की स्थापना का श्रेय भी बटोर लिया। बाद में विशनचन्द सेठ सन 1957 व सन 1962 में दो-दो बार हिन्दू महासभा से निर्वाचित हो कर सांसद बने, किन्तु प्रथम चुनाव में तो उनका सारा श्रम नेहरु-कांग्रेस से लोकतंत्र का पाठ पढने में ही व्यर्थ हो गया। अब उन्हीं नेहरु की विरासत को ढो रही वर्तमान कांग्रेस का कथित युवा नेता चुनाव की 'ईवीएम-प्रणाली' में गडबडी और 'मतदाता-सूची में हेराफेरी' का शोर मचा रहा है, तो यह उसकी सनक मात्र है, जिसे 'खिसियानी बिल्ली खम्भा नोचे' के सिवाय और कुछ नहीं कहा जा सकता।

- मनोज ज्वाला

मनीष सिसोदिया के बयान से पार्टी की सत्ता-लोलुपता उजागर

भारतीय राजनीति में आम आदमी पार्टी (आप) का जन्म एक क्रांति की तरह हुआ था। अन्ना आंदोलन की पृष्ठभूमि से निकली इस पार्टी ने भ्रष्टाचार-विरोधी राजनीति और जनसरोकारों के मुद्दों को केंद्र में रखकर देश की जनता को नई उम्मीद दी थी। अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया जैसे नेताओं ने खुद को आम आदमी के सिपाही के रूप में पेश करते हुए 'व्यवस्था बदलने' का वादा किया था। उस समय यह कहा गया था कि यह पार्टी व्यवस्था बदलेगी, भ्रष्टाचार मिटाएगी और राजनीति को स्वच्छ बनाएगी। लेकिन आज की हकीकत यह है कि आम आदमी पार्टी भी उसी पुरानी राजनीति के रास्ते पर खड़ी है, जिस पर चलने वाले दलों के खिलाफ उसने आंदोलन खड़ा किया था। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया कभी 'शिक्षा सुधारक' के रूप में पेश किये जाते थे। स्कूलों के मॉडल की तस्वीरें खिंचवाई जाती थीं और उन्हें दिल्ली की राजनीति में 'ईमानदारी का चेहरा' बताकर प्रचारित किया जाता था। लेकिन सत्ता की हकीकत अलग निकली। दिल्ली की शराब नीति घोटाले ने उनकी छवि को ध्वस्त कर दिया और उन्हें 'शराब क्रांति का जनक' बना दिया। वह लंबे समय तक जेल की सलाखों के पीछे रहे और बाहर आने के बाद अपना विधानसभा चुनाव भी हार गये।

अब पंजाब में 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर मनीष सिसोदिया का बयान, 'साम, दाम, दंड, भेदज सच-झूठ जो भी करना पड़ेगा, करेंगे', साफ दिखाता है कि आम आदमी पार्टी अब सत्ता पाने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार है। मनीष सिसोदिया का बयान जनता को यह समझाने के लिए पर्याप्त है कि आम आदमी पार्टी और बाकी पारंपरिक दलों में अब कोई फर्क नहीं बचा है। देखा जाये तो लोकतंत्र में चुनावी जीत का आधार जनता की सेवा और सुशासन होना चाहिए, न कि 'किसी भी साधन' से सत्ता हथियाना। लेकिन आम आदमी पार्टी के बड़े नेताओं के शब्दों से यह साफ है कि उनके लिए अब नैतिकता केवल एक खोखला नारा रह गई है।

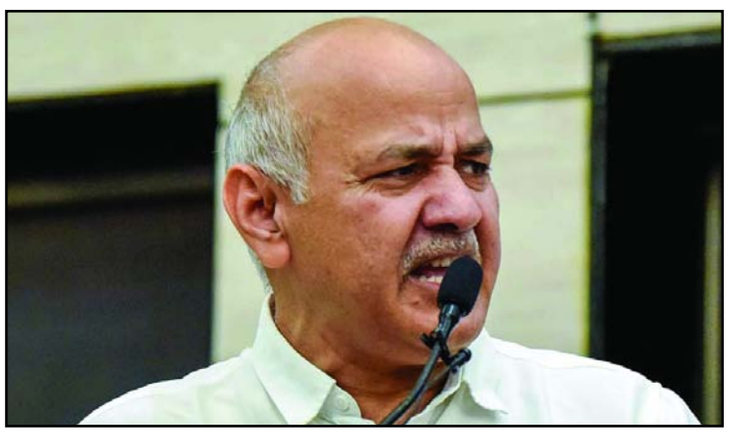

मनीष सिसोदिया के बयान से पंजाब की राजनीति गर्मा गयी है इसलिए अब आम आदमी पार्टी के नेता सफाई भी देते फिर रहे हैं। पंजाब के मंत्री अमन अरोड़ा कह रहे हैं कि सिसोदिया ने जो कहा वह पार्टी की विचारधारा नहीं है। यहां सवाल उठता है कि अगर पार्टी के राष्ट्रीय स्तर के नेता और अरविंद केजरीवाल के सबसे करीबी सहयोगी, ऐसा बयान देते हैं तो उसे महज़ 'व्यक्तिगत राय' कैसे कहा जा सकता है? क्या यह सफाई केवल डैमेज कंट्रोल की कोशिश नहीं है?

देखा जाये तो आम आदमी पार्टी के इस बदले हुए चरित्र से लोकतंत्र को सबसे बड़ा नुकसान यह हुआ है कि जनता का विश्वास टूट गया है। जो लोग भ्रष्टाचार और व्यवस्था परिवर्तन के नाम पर सत्ता में आए, अगर वही भ्रष्टाचार और सत्ता-लोलुप राजनीति का हिस्सा बन जाएँ, तो जनता किस पर भरोसा करेगी? सच यही है कि आम आदमी पार्टी अब वैसी ही राजनीति करने लगी है जैसी राजनीति करने का आरोप वह अपने शुरुआती दिनों में दूसरों पर लगाया करती थी। इस सबके चलते भारतीय लोकतंत्र एक बार फिर नैतिकता के संकट का शिकार हो रहा है।

'ईमानदार राजनीति' का नारा देकर पैदा हुई आम आदमी पार्टी अब सत्ता की राजनीति में इस कदर डूब चुकी है कि उसके नेताओं की जुबान पर 'साम, दाम, दंड, भेद' जैसे शब्द चढ़ गए हैं। यह वही पार्टी है जिसने जनता को बदले की राजनीति से बाहर निकलने का सपना दिखाया था। लेकिन अब लगता है, आम आदमी पार्टी का असली चेहरा वही है जिससे उसने खुद को अलग दिखाने की कोशिश की थी। और यही लोकतंत्र के लिए सबसे खतरनाक संकेत है।

बहरहाल, मनीष सिसोदिया के बयान को लेकर पंजाब की राजनीति गर्मायी हुई है। इस बयान को विपक्षी दलों ने हाथों-हाथ लिया और चुनाव आयोग से शिकायत तक कर दी। पंजाब बीजेपी अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने तो इसे भ्रष्ट और हिंसक तरीकों की पैरवी करार देते हुए सिसोदिया के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। विपक्षी दलों का आरोप है कि सिसोदिया ने चुनाव जीतने के लिए अनैतिक और हिंसक रणनीतियों को स्वीकार किया है। यहां सवाल यह भी उठता है कि सिसोदिया के विवादित बयान पर पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल की चुप्पी यदि आगे भी बनी रही तो क्या इसे उनका मूक समर्थन नहीं माना जायेगा?

-नीरज कुमार दुबे

राशिफल

भाद्रपद माह, कृष्ण पक्ष द्वादशी — **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
भाग्यवश कुछ काम बनेंगे। स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम और संतान की स्थिति पहले से बहुत बेहतर।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। चोट चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। प्रेमी प्रेमिका की मुलाकात होगी। नौकरी चाकरी की स्थिति बहुत अच्छी होगी।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
शत्रु भी मित्रवत व्यवहार करेंगे। गुण, ज्ञान की प्राप्ति होगी। बुजुर्गों का आशीर्वाद मिलेगा। स्वास्थ्य थोड़ा मध्यम रहेगा।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
विद्यार्थियों के लिए अच्छा समय। लिखने, पढ़ने में समय व्यतीत करें। भावनाओं पर काबू रखें।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
गृह कलह के संकेत हैं। थोड़ा सा ध्यान देने की आवश्यकता होगी। भूमि भवन वाहन की खरीदारी का योग बनेगा।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
पराक्रम रंग लाएगा। व्यावसायिक सफलता मिलेगी। एक व्यावसायिक ऊर्जा आप में बनी रहेगी।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
धन आगमन होगा। कुटुंबों में वृद्धि होगी। जुआ, सट्टा, लॉटरी में पैसे न लगाएं अभी नुकसान का समय है।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। जरूरत के हिसाब से वस्तुएं जीवन में होंगी। स्वास्थ्य अच्छा है।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
मन चिंतित रहेगा। घबराहट, बेचैनी बनी रहेगी। सिर दर्द और नेत्र पीड़ा संभव है। प्रेम, संतान, व्यापार अच्छा रहेगा।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, सो, द)
आय के नवीन स्रोत बनेंगे। पुराने स्रोत से भी पैसे आएंगे। यात्रा का योग बनेगा। अच्छे समाचार की प्राप्ति होगी।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
कोर्ट कचहरी में विजय मिलेगा। व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ होगी। राजनीतिक स्थिति अच्छी होगी। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

22 अगस्त को एचआर मीट का होगा आयोजन : मनीषा अत्री

नोएडा (चेतना मंच)। जिला रोजगार सहायता अधिकारी गौतमबुद्धनगर मनीषा अत्री ने बताया कि जिला सेवायोजन कार्यालय गौतमबुद्धनगर द्वारा 22/08/2025 को समय प्रात: 10.00 बजे से होटल रेडिशन ब्लू, ग्रेटर नोएडा, गौतमबुद्धनगर में प्रदेश स्तरीय मिशन रोजगार 2025 के अन्तर्गत एच0आर0 मीट इण्डस्ट्रीज कनेक्ट-2025 का आयोजन किया जायेगा, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों की लगभग 50-60 प्रतिष्ठित नोएडा इण्टरनेशनल एयरपोर्ट, टी सी.एस, एच.सी.एल. सॅमसंग, विवो, हायर, विप्रो, अपोलो आदि कंपनियों एवं जनपद के प्रतिष्ठित शारदा यूनिवर्सिटी, एमेटी यूनिवर्सिटी विश्वसरैया यूनिवर्सिटी, जे. एस.एस. यूनिवर्सिटी, गौतमबुद्ध यूनिवर्सिटी एवं लॉयड कालेज, गलगोटिया कालेज, एन.आई.ई.टी कालेजों के प्रतिनिधियों द्वारा कार्यक्रम में प्रतिभाग किया जायेगा। आयोजन का मुख्य उद्देश्य भारत सरकार व उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित विभिन्न रोजगार योजनाओं के माध्यम से उद्योगों को गुणवत्तापूर्ण, प्रशिक्षित और स्थानीय प्रतिभा की उपलब्धता के साथ जोडना है।

उन्होंने कार्यक्रम के प्रमुख विचार बिन्दु के संबंध में बताया कि सेवायोजन विभाग द्वारा संचालित रोजगार योजनाओं और पोर्टल की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की जाएगी।

उद्योंगो को विभाग द्वारा दी जाने वाली भर्ती सहायता (ओरवीसज प्लेसमेंट, जॉब फेयर, काउन्सिलिंग आदि से अवगत कराया जाएगा। शैक्षणिक संस्थाओं और अद्योगों के बीच सहयोग को सशक्त करना, स्किल गैप और भर्ती सम्बन्धी चुनौतियों पर सुझाव एवं समाधान प्राप्त करना एवं विभागीय पोर्टल की जानकारी और उपयोग की प्रक्रिया को उद्योगों के सामने प्रस्तुत करना आदि सम्मिलित है।

उन्होंने यह भी बताया कि कार्यक्रम मुख्य अतिथि के रूप में माननीय केन्द्रीय मंत्री, श्रम एवं सेवायोजन, भारत सरकार डा0 मनसुख एल0 मांडविया जी, विशेष अतिथि माननीय श्रम एवं सेवायोजन मंत्री, उत्तर प्रदेश, अनिल राजभर तथा सांसद गौतमबुद्धनगर महेश शर्मा होंगे। साथ ही अन्य अधिकारीगणों की भी गरिमामयी उपस्थिति एवं मार्गदर्शन अत्यन्त प्रेरणादायक होगा।

खाद की कालाबाजारी पर योगी सरकार सख्त

लखनऊ (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अफसरों को निर्देश दिया है कि जिलों में लगातार मॉनिटरिंग करें जिससे कि किसानों को दिक्कत न होने पाए। वहीं, किसानों से भी अपील की है कि वो जरूरत से ज्यादा खाद का भंडारण न करें और जरूरत होने पर फिर ले लें। खाद की उपलब्धता की कोई कमी नहीं है।

योगी सरकार ने एक बार फिर साफ किया है कि प्रदेश में कहीं भी उर्वरकों की दिक्कत या कमी नहीं है। किसानों के लिए पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध है। सरकार ने खाद के अनावश्यक भंडारण न करने की अपील की है। कृषि विभाग ने सभी 18 मंडलों में खाद की उपलब्धता व बिक्री की जानकारी दी। खरीफ सत्र 2024 में इस अवधि (18 अगस्त) तक 36.76 लाख मीट्रिक टन उर्वरक की बिक्री हुई थी, वहीं इस वर्ष अब तक 42.64 लाख मीट्रिक टन उर्वरक की बिक्री की जा चुकी है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किसानों से अपील की कि खाद का भंडारण न करें। जितनी आवश्यकता है, उतना खाद लें, जब-जब आवश्यकता है, तब-तब खाद लें। हर जनपद में शिकायत प्रकोष्ठ है। किसी भी परेशानी की स्थिति में अवगत कराएं। मुख्यमंत्री ने उर्वरक की ओवररेटिंग, कालाबाजारी करने वालों को कड़ी चेतावनी भी दी है। उन्होंने जनपद में तैनात अधिकारियों को समय-समय पर निरीक्षण करने, किसानों से संवाद स्थापित करने और समस्याओं का निस्तारण करने का निर्देश दिया है। कृषि विभाग ने बताया कि प्रदेश में खाद की कोई कमी नहीं है।

फेस-2 थाने पर डटेंगे भाकियू बलराज के कार्यकर्ता

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। आगामी 21 अगस्त को फेस-2 थाने पर भारतीय किसान यूनियन (बलराज) का अनिश्चितकालीन धरना प्रारंभ होने जा रहा है। यह जानकारी भाकियू (बलराज) के प्रदेश अध्यक्ष हातिम सिंह भाटी ने दी है।

उन्होंने बताया कि पुलिस की मनमानी के विरोध में यह धरना शुरू किया जा रहा है जो अनिश्चितकालीन तक जारी रहेगा। उन्होंने बताया कि जब तक हमारी मांग पूरी नहीं हो जाती तब तक हम धरने से नहीं उठेंगे। उन्होंने बताया कि धरना की सफलता को लेकर संगठन के कार्यकर्ता गांव में जाकर लोगों को 21 अगस्त को थाने पर पहुंचने की अपील कर रहे हैं।

पृष्ठ एक के शेष....

दिल्ली की सीएम....

लगाने के लिए उससे विस्तृत पूछताछ की जाएगी। इतना ही नहीं दिल्ली पुलिस ने आरोपी द्वारा दी गई जानकारी की पुष्टि के लिए गुजरात पुलिस से भी संपर्क किया है। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने इस घटना के बारे में जानकारी दी है। उन्होंने थप्पड़ मारने की खबरों को खारिज करते हुए बताया कि हमलावर ने सुनवाई के दौरान मुख्यमंत्री का हाथ खींचने की कोशिश की, जिसके कारण हाथापाई हुई और उनका सिर किसी कोने से टकराया होगा। उन्होंने कहा कि सीएम गुप्ता की हालत स्थिर है, लेकिन वह सदमे में हैं।

वहीं, दिल्ली पुलिस द्वारा मांगी गई जानकारी की पुष्टि के लिए राजकोट पुलिस आरोपी राजेश खिमजी के घर पहुंची। जहां उन्होंने आरोपी के परिजनों से पूछताछ की। इस दौरान आरोपी राजेश खिमजी के पड़ोसी सुरेशभाई ने भी राजेश के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मैं उसे पिछले 5-6 वर्षों से जानता हूँ। वह एक सरल और उदार व्यक्ति है जिसे जानवरों से बहुत प्यार है

सीपी राधाकृष्णन ने ....

तीसरे नेता होंगे। वे 1998 में पहली बार सांसद चुने गए और 2023 में बने झारखंड के राज्यपाल बने। 67 वर्षीय सीपी राधाकृष्णन वर्तमान में महाराष्ट्र के राज्यपाल हैं। झारखंड की जिम्मेदारी संभालते हुए राधाकृष्णन ने तेलंगाना का राज्यपाल और पुडुचेरी का उपराज्यपाल का अतिरिक्त प्रभार भी संभाला था। सीपी राधाकृष्णन ने बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में स्नातक की पढ़ाई की है।

वहीं इससे पहले सीपी राधाकृष्णन ने केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी, किरेन रिजिजू, अर्जुन राम मेघवाल, धर्मेंद्र प्रधान, राम मोहन नायडू किंजरापु. एल मुरुगन और भाजपा नेता विनोद तावड़े की मौजूदगी में संसद परिसर में उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने से पहले महात्मा गांधी को पुष्पांजलि अर्पित की।

बता दें कि भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने एनडीए संसदीय दल की बैठक के बाद सीपी राधाकृष्णन के नाम की घोषणा उपराष्ट्रपति पद के लिए की थी। जगदीप धनखड़ के अचानक उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देने के बाद से ये पद खाली हुआ है। 21 जुलाई को संसद के मानसून सत्र के पहले दिन स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए जगदीप धनखड़ ने इस्तीफा दिया था।

लूट व हत्या का....

को रुकने का इशारा किया। पुलिस को देखकर उक्त व्यक्ति सड़क से उतरकर जंगल की तरफ भागने लगा। पुलिसकर्मियों ने उसका पीछा किया तो उसने फायरिंग कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में युवक के पैर में गोली लगी और घायल होकर गिर गया।

डीसीपी ने बताया कि घायल बदमाश की पहचान पप्पू उर्फ पप्पू मिस्त्री पुत्र हरपाल सिंह निवासी ग्राम मुकुंदपुर जनपद अलीगढ़ के रूप में हुई। इसके पास से तमंचा, कारतूस, सैमसंग का मोबाइल फोन, दो कुंडल व एक लौंग बरामद हुई।

पूछताछ में पप्पू ने बताया कि वह छपरौला गांव में ही किराए पर रहता है। उसने बीती 3 अगस्त को छपरौला गांव में स्थित विद्या वर्ल्ड स्कूल के पास रहने वाली बुजुर्ग महिला की हत्या कर दी थी। पप्पू के मुताबिक तीन अगस्त को वह बुजुर्ग महिला के घर पहुंचा और उसे पीने के लिए पानी मांगा महिला जैसे ही पानी लेने के लिए भीतर गई तो पीछे-पीछे वह भी भीतर चला गया और उसने वृद्ध महिला का गला दबा दिया। गला दबाने की वजह से महिला बेहोश होकर गिर गई इसके बाद उसने उसके कान से सोने के कुंडल और नाक से लौंग निकाल ली। पकड़े जाने के भय की वजह से उसने ब्लेड से महिला का गला रेत कर उसे मौत के घाट उतार दिया। डीसीपी ने बताया कि घायल आरोपी को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है और मामले की जांच की जा रही है।

अदालती आदेश पर....

गाली-गलौच कर अभद्रता की। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी गई। इस मामले में पुलिस द्वारा कार्रवाई न किए जाने पर पीड़ित को कोर्ट का सहारा लेना पड़ा। सिविल कोर्ट में यह मामला विचाराधीन है। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) ने इस मामले में दरोगा जितेंद्र सिंह, तत्कालीन थाना प्रभारी नरेंद्र कुमार तथा एसीपी सिद्धार्थ गौतम के खिलाफ पुलिस कमिश्नर को जांच के आदेश दिए थे। कमिश्नरेट पुलिस की तरफ से 14 अगस्त को न्यायालय के समक्ष जांच आख्या प्रस्तुत की जानी थी। कोर्ट के आदेश पर पुलिस कमिश्नर ने जांच का दायित्व डीसीपी ट्रांस हिंडन को सौंपा है।

डीसीपी ने कोर्ट को पत्र भेजकर अवगत कराया है कि दरोगा, थानेदार और एसीपी के बयान दर्ज न होने की वजह से जांच पूर्ण नहीं हो पाई है। उन्होंने जांच पूरी कर आख्या उपलब्ध कराने के लिए कोर्ट से 15 दिन की मोहलत मांगी है। वहीं, अधिवक्ता आदेश ने इस बारे में पूछे जाने पर बताया कि कोर्ट में इस केस की अगली सुनवाई 2 सितंबर को होनी है। उनका कहना है कि वह पूर्व में कोर्ट के समक्ष बयान दर्ज करा चुके हैं। इसके बावजूद पुलिस उन पर बयान देने का दबाव डाल रही है।

मुठभेड़ में मोबाइल....

अग्रिम विधिक कार्यवाही प्रचलित है ।

गिरफ्तार अभियुक्त उपरोक्त से पूछताछ करने पर यह तथ्य प्रकाश में आए कि अभियुक्त उपरोक्त ने बरामद मोटर साइकिल को दिल्ली से चोरी किया था। इसी चोरी की मोटर साइकिल से अभियुक्त और उसका दोस्त शिवम निवासी दिल्ली के साथ मोबाइल फोन स्नैचिंग करता है और उन्हें राह चलते अनजान व्यक्तियों को बेच देते हैं। दोनों अभियुक्तों ने पिछले कुछ समय में कई सारे व्यक्तियों से मोबाइल फोन छीनने की घटना को स्वीकार किया गया ।

बहलोलपुर पहुंचे विधायक,....

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष महेश चौहान, चंदगीराम यादव, अमित त्यागी, सत्ते प्रधान, भूले प्रधान, मनीष तिवारी दीनबंधु, सत्यनारायण महावर, परमवीर यादव, करतार सिंह चौहान, ओमवीर अवाना, रामनिवास यादव, सेरी भगत, प्रमोद बहल, बबलू यादव, विपुल शर्मा, राजकुमार बंसल, उज्जवल सिंह, मनोज चौहान, भूपेश चौधरी, अशोक मिश्रा, अतुल त्यागी, महेंद्र पहलवान, देवेंद्र शर्मा सहित बड़ी संख्या में ग्राम वासी उपस्थित रहे।

नशा मुक्ति केंद्र में....

कि उसके भाई के साथ नशा मुक्ति केंद्र में बर्बरता से पिटाई की गई जिस कारण उसकी मौत हो गई इस संबंध में सोशल मीडिया पर भी एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें मृतक के शरीर पर नील के निशान दिख रहे हैं। संबंध में सेक्टर 63 थाना प्रभारी अवधेश प्रताप सिंह ने बताया कि घटना स्थल नशा मुक्ति केंद्र जनपद मेरठ का है। परिजनों के अनुरोध पर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल पाएगा। इस संबंध में परिजनों द्वारा अभी कोई तहरीर नहीं दी गई है। परिजन अगर तहरीर देते हैं तो मुकदमा दर्ज कर जांच मेरठ के संबंधित थाने को ट्रांसफर की जाएगी।

कार का शीशा....

जब वापस लौटे तो उन्हें कर का शीशा टूटा हुआ मिला। चोर उनकी कार से लैपटॉप, आधार कार्ड, एटीएम कार्ड ,ड्राइविंग लाइसेंस आदि को चोरी कर ले गए थे। पुलिस का कहना है कि पीड़ित के शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच की जा रही है।

गैंगस्टर में वांछित...

बदमाश बोटैनिकल बस स्टेशन शौचालय के पास खड़ा हुआ है और उसके पास अवैध असलाह भी है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने बताए गए स्थान पर छापा मार कर बदमाश को दबोच लिया पकड़े गए बदमाश ने अपना नाम अरमान आलम उर्फ इम्तियाज़ पुत्र वकील निवासी जनपद फरीदाबाद हरियाणा बताया। तलाशी में इसके पास से तमंचा कारतूस भी बरामद हुए। थाना प्रभारी के मुताबिक पकड़ा गया अरमान आलम थाने से गैंगस्टर एक्ट में भी वांछित चल रहा था आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया गया है।

कांग्रेसियों ने मनाई....

राजीव गांधी की जयंती सदभावना दिवस के रूप में मनाई।

गौतमबुद्धनगर युवा कांग्रेस गौतमबुद्धनगर जिलाध्यक्ष जावेद खान ने कहा कि स्व. राजीव गांधी, भारत के ऐसे द्रष्टा नेता जिन्होंने न केवल देश के युवाओं को तकनीकी और विकास की नई उड़ान दी, बल्कि लोकतंत्र के प्रति अपनी गहरी प्रतिबद्धता से भी विश्व को प्रभावित किया।

उत्तर प्रदेश युवा कांग्रेस पश्चिम प्रदेश महासचिव शाहबुद्दीन ने कहा कि हम उन्हें उनके अदम्य साहस, दूरदर्शिता और देशभक्ति के लिए सशक्त श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। उनकी जिद और मेहनत ने भारत को आधुनिकता की ओर अग्रसरित किया और नए युग की नींव रखी।

इस मौके पर युवा कांग्रेस गौतमबुद्धनगर जिलाध्यक्ष जावेद खान, प्रदेश महासचिव शाहबुद्दीन, महानगर महासचिव दयाशंकर पांडे, पीसीसी सदस्य मोहम्मद चांद,अनिल अवाना, महाराज जी,आर एल शर्मा, विनोद शाह,सूरज, अभिषेक कश्यप,सनी,फरजन, मनोज,विजय बाल्मीकि, भूटानी,बिननू पंडित , संतोष,गौरव,सजय,नीरज, परवेज़, सुमित जाटव , गुलशन, शाहरुख, प्रेम, रिशु, शमशाद , विवेक, राजेन्द्र व अन्य लोग मौजूद रहे।

नशे में धुत्त युवक....

सिक्योरिटी गार्ड आ गए और उन्होंने मनोज शर्मा को मौके पर ही पकड़ लिया आरोपी को थाना सेक्टर पुलिस के हवाले कर दिया गया पुलिस का कहना है कि पीड़िता की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और विधिक कार्रवाई की जा रही है।

अखिलेश ने चुनाव आयोग पर साधा निशाना, बोले- खानापूर्ति कर रहे डीएम

लखनऊ (एजेंसी)। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि कासगंज,

बाराबंकी और जौनपुर के जिलाधिकारी जिस तरह से हमारे एफिडेविट पर सक्रिय हो गए हैं। उससे यह तो साबित हो गया है कि चुनाव आयोग की एफिडेविट न मिलने की बात झूठी निकली। उन्होंने कहा कि अब जिलाधिकारी इन पर सतही जवाब देकर खानापूर्ति कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मामले में इन जिलाधिकारियों की संलिप्तता की जांच होनी चाहिए।

जिस तरह कासगंज, बाराबंकी, जौनपुर के डीएम हमारे 18000 शपथपत्रों के बारे में अचानक अति सक्रिय हो गये हैं, उसने एक बात तो साबित कर दी है कि जो चुनाव आयोग कह रहा था कि 'एफिडेविट की बात गलत है' मतलब एफिडेविट नहीं मिले, उनकी वो बात झूठी निकली। अगर कोई एफिडेविट मिला ही नहीं, तो ये जिलाधिकारी लोग जवाब किस बात का दे रहे हैं। अब सतही जवाब देकर खानापूर्ति करेनवाले इन जिलाधिकारियों की संलिप्तता की भी जांच होनी चाहिए। कोर्ट संज्ञान ले, चुनाव आयोग या डीएम में से कोई एक तो गलत है ही ना?

जो सीसीटीवी पर पकड़े गये हों उनके द्वारा अपने घपलों पर दी गई सफाई पर किसी को भी रत्ती भर विश्वास नहीं है। झूठ का गठजोड़ कितना भी ताकतवर दिखे पर आखिरकार झूठ हारता ही है क्योंकि नकारात्मक लोगों का साझा-गोरखधंधा अपने-अपने स्वार्थों की पूर्ति करने के लिए होता है, ऐसे भ्रष्ट लोग न तो अपने ईमान के सगे होते हैं, न परिवार, न समाज के, तो फिर भला अपने साझेदारों के कैसे होंगे। ये बेईमान लोग देश और देशवासियों से ताउम्र दगा करते हैं और अंतत: पकड़े जाने पर अपमान से भरी जिंदगी जीने की सजा काटते हैं।

भाजपा सरकार, चुनाव आयोग और स्थानीय प्रशासन की मिलीभगत वो 'चुनावी तीन तिगाड़ा' है, जिसने सारा काम बिगाड़ा है और देश के लोकतंत्र पर डाका डाला है। अब जनता इस 'त्रिगुट' की अदालत लगाएगी।

बरसात के कारण सड़कें क्षतिगस्त

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय किसान यूनियन के पूर्व महानगर अध्यक्ष भूपेंद्र शर्मा ने कहा है कि बरसात का पानी सेक्टर वासियों एवं गांव वासियों के लिए जी का जंजाल बन गया है। बरसात के कारण सड़के इतनी बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई है कि उस पर चलना दुर्भर हो रहा है और आए दिन मार्ग दुर्घटना घटित हो रही है। लेकिन नोएडा प्राधिकरण के अधिकारी इन क्षतिग्रस्त सड़कों को ठीक कराने में रुचि नहीं ले रहे।

घर वाला शराबी है

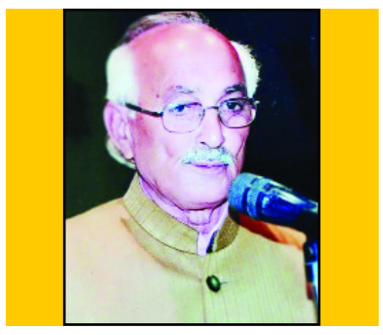

डॉ. कृष्णावतार त्रिपाठी (राही)
ज्ञानपुर (भदोही)

रोज पीने का आदी है ।
मुआ यह नहीं देखता कि
अंग्रेजी है या सादी है।
वह अपने आप में मस्त है
घरवाली घर वाला शराबी है
रोज पीने का आदी है ।
मुआ यह नहीं देखता कि
अंग्रेजी है या सादी है।
वह अपने आप में मस्त है
घरवाली उसके मित्रों की
आवभगत में व्यस्त है?
बेचारी बच्चों को जैसे- तैसे पालती है
अच्छे संस्कार डालती है।
सब कुछ सहती है
पिटने के डर से चुप रहती है
और घरवाला सीना ताने
मुंह से बदबू लुटाता चलता है,
अपने को ही छलता है।

सड़क हादसे में मृत के मामले में मुकदमा दर्ज

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बादलपुर क्षेत्र में पांच पांच माह पूर्व सड़क हादसे में हुई व्यक्ति की मौत के मामले में मुकदमा दर्ज कराया गया है।

उदल नगर पटेल नगर जनपद गाजियाबाद निवासी किशन ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उनका बेटा अभिषेक उर्फ सुजल 16 मार्च की रात्रि को दादरी से गाजियाबाद स्थित अपने घर आ रहा था। अच्छेजा पेट्रोल पंप के पास अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी थी इस हादसे में अभिषेक गंभीर रूप से घायल हो गया था गंभीर हालत में उसे बादलपुर स्थित अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। थाना प्रभारी का कहना है कि पीड़ित के शिकायत पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

अल्पकालीन निविदा

पत्रांक सं. 147/2025-26 **दिनांक :19.8.2025**

महाविद्यालय में वित्तीय वर्ष 2025-26 में अनुदान संख्या-73 के मानक मद 29 अनुरक्षण हेतु अनुदान धनराशि रू0 5,00,000-00 (पांच लाख रूपये मात्र) के अनुरक्षण कार्य हेतु आपूर्ति कर्ताओं/ फर्मों से सीलबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदा प्रपत्र किसी भी कार्य दिवस में महाविद्यालय के कार्यालय से प्रात: 10.00 बजे से अपराहन 04.00 बजे तक रू. 300 रूपये नकद जमा कर निविदा प्रकाशन तिथि से दिनांक 30.08.2025 प्रात: 11.00 बजे तक प्राप्त किए जा सकते हैं। सीलबंद निविदाएं दिनांक 30.08.2025 तक अपराह्न 2.00 बजे तक कार्यालय में जमा की जा सकती हैं, जो कि दिनांक 30.08.2025 अपराह्न 4.00 बजे समिति के समक्ष खोली जाएंगी। निविदा की शर्तें एवं सामान के क्रय के संबंधित विस्तृत जानकारी किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

किसी भी निविदा को स्वीकृत निरस्त करने का अधिकार प्राचार्य के पास सुरक्षित रहेगा।

नोट : यह पूर्णता है सरकारी संस्था है।

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
नोएडा, गौतमबुद्धनगर

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक
रामपाल सिंह रघुवंशी ने
M/s Sai Printing Press, डी-85
सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर
(यू पी.) से छपवाकर,
ए-131 सेक्टर-83,
नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100,
4576372, 2518200
Mo.: 9811735566,
8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

परंपरागत चरवाहों ने 'चरवाहा सुरक्षा विधेयक' की मांग तेज की

बंगलूरू, 20 अगस्त (एजेंसियां)। मंगलवार को कर्नाटक की राजधानी बंगलूरू के फ्रीडम पार्क में सौ से अधिक चरवाहे इकट्ठा हुए और राज्य सरकार से तत्काल 'चरवाहा संरक्षण और अत्याचार निवारण विधेयक' पारित करने की मांग की।

सरकार से वादा, अब उम्मीद कार्रवाई की

मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने अपने बजट भाषण में यह वादा किया था कि पारंपरिक चरवाहों के लिए एक सुरक्षात्मक कानून लाया जाएगा। इसी को लेकर चरवाहों ने आज एक स्मरण-पत्र (मेमोरेंडम) सरकार को सौंपने का निर्णय लिया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शांतिपूर्वक प्रदर्शन के लिए सारी व्यवस्था की गई है।

क्या है चरवाहों की पीड़ा?

पारंपरिक चरवाहा कल्याण संरक्षण संघर्ष समिति ने अपने ज्ञापन में आरोप लगाया कि चरवाहा समुदाय का लगातार उत्पीड़न, उनके साथ मारपीट, जान से मारने की धमकियां, हत्या, भेड़ों की चोरी और घूसखोरी जैसी समस्याओं से जूझ रहा है। समिति का कहना है कि सबसे अधिक उत्पीड़न उन्हें जंगल और पहाड़ी क्षेत्रों में झेलना पड़ रहा है, जहां अक्सर वन विभाग के अधिकारी और कर्मचारी उन्हें परेशान करते हैं।

बंगलूरू में जमा हुए सैकड़ों लोग

हाल की घटनाओं ने बढ़ाई चिंता

ज्ञापन में हाल ही में बागलकोट, बीदर और धारवाड़ जिलों में हुई घटनाओं का जिक्र किया गया है, जहां कुछ चरवाहों की हत्या कर दी गई या उन पर हमले हुए। समिति ने लिखा 'ऐसे मामले मानवता पर गंभीर सवाल खड़े करते हैं।'

चरवाहों की मुख्य मांगें क्या है?

चरवाहों ने कहा कि समुदाय के बच्चों के लिए छात्रावास सुविधा, शिक्षा में आरक्षण, सही इलाज, बीमा और स्वास्थ्य सेवा, बाजार की व्यवस्था और मुफ्त कानूनी सहायता सुनिश्चित की जाए। इसके अलावा, समिति ने मांग रखी कि- जो लोग चरवाहों पर हमला या चोरी करते हैं, उन्हें कठोर सजा दी जाए। अपराधियों को आसानी से जमानत न मिले। जो गैर-हकदार लोग चरवाहों के नाम पर लाभ उठा रहे हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई हो। ऐसे मामलों में मिलीभगत करने वाले सरकारी अधिकारियों पर भी कठोर दंड लगे।

केरल हाईकोर्ट में बदबू की वजह से कार्यवाही स्थगित : जंगली जानवर ने पेशाब की थी

तिरुवनंतपुरम, 20 अगस्त (एजेंसियां)। कोच्चि में मंगलवार सुबह केरल हाईकोर्ट में कार्यवाही बदबू की वजह से रोकनी पड़ी। ये बदबू अदालत की फॉल्स सीलिंग में घुसे सिवेट (जंगली जानवर) के पेशाब करने से आ रही थी।

अदालत सूत्रों के मुताबिक, बदबू इतनी तेज थी कि मुख्य न्यायाधीश नितिन जमदार और जस्टिस बसंत बालाजी की डिवीजन बेंच ने सभी मामलों को स्थगित कर दिया। अदालत की कार्यवाही सिर्फ 20 मिनट चली और फिर कमरे को बंद कर दिया गया। केरल हाईकोर्ट की मंगला वन अभयारण्य के पास मौजूदगी लंबे समय से विवाद का विषय रही है। यहां पहले भी बड़े अजगर और दूसरे जंगली जानवर कोर्ट परिसर के आसपास देखे जा चुके हैं।

लोकतांत्रिक मूल्यों के तहत मतदाता सूची में 'एसआईआर' हो : प्रियंका चतुर्वेदी

नई दिल्ली, 20 अगस्त (एजेंसियां)। शिवसेना (यूबीटी) की नेता एवं राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने मंगलवार को चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाए। उन्होंने लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत मतदाता सूची में एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) करवाने की बात कही।

शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने आईएएनएस से कहा, जिस तरह से एसआईआर की शुरुआत बिहार में हुई और मतदाता सूची से लोगों का नाम काटा गया, उसके बाद जिस भाषा में चुनाव आयोग बात कर रहा है, उससे साफ तौर पर दिख रहा है कि एसआईआर सही मायने में साफ रिकॉर्ड देने के लिए नहीं है, सिर्फ एक एजेंडा चलाने के लिए है।

ओडिशा में एसआईआर कराने के सवाल पर उन्होंने कहा, बिहार के बाद ओडिशा में एसआईआर लागू हो या फिर कहीं और हो, उम्मीद ये है कि अ-राजनैतिक, बिना पक्षपात किए, लो क तां त्रि क प्रक्रिया का इस्तेमाल करके इसकी कार्रवाई हो, न कि षड्यंत्र के तहत उन लोगों को हटा दिया जाए जिनकी आवाज नहीं है। उन्होंने कहा, जिस तरीके से मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की है, उनका दायित्व है कि विपक्ष कोई सवाल पूछ रहा है तो उसका जवाब दे, न कि खुलकर उनके खिलाफ ऐसी भाषा का इस्तेमाल करें, जो सत्ता पक्ष के कार्यालय द्वारा दिया गया भाषण लगे। आयोग ने वो तर्क रखे, जो उन्हें कभी नहीं देने चाहिए। शिवसेना (यूबीटी) नेता ने कहा, आज चुनाव आयोग पर जो सवाल उठ रहे हैं, जनता के बीच आयोग के ऊपर से जो विश्वास उठ रहा है, तो पूछना पड़ेगा कि ऐसा क्यों है कि जनता आप पर भरोसा खो बैठी है। आपकी जिम्मेदारी और दायित्व बनता है कि वह सभी के प्रश्नों का जवाब दे। वहीं, विपक्ष जो सवाल पूछ रहा है, वह जनता का ही सवाल है।

दुष्कर्म-हत्या मामले में मौत की सजा पाए दोषी पर त्रिशूर की जेल में कैदी ने किया हमला, मामला दर्ज

त्रिशूर, 20 अगस्त (एजेंसियां)। अलुवा में 2023 में एक नाबालिग बच्ची से दुष्कर्म और उसकी हत्या के मामले में फांसी की सजा पाए बिहार निवासी व्यक्ति पर त्रिशूर के विय्यूर केंद्रीय कारागार में एक कैदी ने हमला कर दिया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, इस घटना को लेकर विय्यूर थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच शुरू कर दी गई है। यह मामला अशफाक आलम (30 वर्षीय) की शिकायत पर दर्ज किया गया। एर्नाकुलम की अतिरिक्त सत्र अदालत ने उसे नवंबर 2023 में फांसी की सजा सुनाई थी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि रविवार शाम करीब चार बजे आलम पर कैदी राहीलाल ने चम्मच से हमला किया और उसके साथ मारपीट की। यह घटना जेल के डी-ब्लॉक की चौथी कोठरी के सामने गलियारे में हुई।

प्राथमिकी में कहा गया है कि कोट्टायम निवासी राहीलाल एक अन्य आपराधिक मामले में जेल में बंद है। उसने आलम को रोका और कहा- तू हत्या के मामले में आरोपी है। इसके बाद उसने चम्मच से आलम के सिर और चेहरे पर हमला किया और गालियां दीं। इसके बाद जेल अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे और आलम को प्राथमिक उपचार दिया। भविष्य में किसी भी झड़प को रोकने के लिए राहीलाल को दूसरी कोठरी में भेज दिया गया है। आलम की शिकायत के आधार पर विय्यूर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 118 (1) (घातक हथियार और साधन से चोट पहुंचाना) और 296 (बी) (अश्लील कृत्य) के तहत मामला दर्ज किया। मामले से जुड़े दस्तावेज बताते हैं कि 28 जुलाई 2023 को आलम ने बिहार मूल के दंपती की पांच साल की बेटी को अगवा किया था और उसे अलुवा बाजार के पीछे कूड़े के ढेर वाली जगह पर ले गया। वहां उसने बच्ची से दुष्कर्म किया और दम घोंटकर उसकी हत्या कर दी। बच्ची की गुमशुदगी की शिकायत के बाद पुलिस ने जांच शुरू की और आलम को अलुवा से गिरफ्तार किया। पुलिस ने उसी की निशानदेही पर बच्ची का शव बरामद किया। जांच में यह भी सामने आया कि दिल्ली में रहने के दौरान आलम ने एक और नाबालिग के साथ यौन शोषण की कोशिश की थी।

सिंघार का आरोप-पिछले चुनाव में 16 लाख वोटर जोड़े इसलिए हम 27 सीटों पर हारे

भोपाल, 20 अगस्त (एजेंसियां)। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने वोटर लिस्ट में गड़बड़ी के मुद्दे पर चुनाव आयोग पर सवाल उठाए।

इसके बाद मध्य प्रदेश के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने 2023 के विधानसभा चुनाव में करीब 16 लाख वोटों का हेरफेर किए जाने का आरोप लगाया है। भोपाल में सिंघार ने कहा- हमने मध्य प्रदेश के बारे में चीजें समझी कि किस तरह से वोट चोरी कर फर्जी जनादेश लेकर भाजपा ने सरकार बनाई। इसमें चुनाव आयोग ने किस तरह से भाजपा की सरकारें बनाने में अपनी अहम भूमिका निभाई। चुनावी साल 2023 में मध्य प्रदेश में 34 लाख से ज्यादा नाम जोड़े गए। अंतिम दो माह में हर रोज 26 हजार वोट जोड़े। टोटल 16 लाख वोट जोड़े गए।

केंद्र बताए ड्रैगन को लेकर रुख में बदलाव क्यों?

पीएम मोदी की चीन यात्रा पर ओवैसी का तीखा सवाल

नई दिल्ली, 20 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 31 अगस्त से एक सितंबर के बीच शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए चीन जाने वाले हैं। ऐसे में अब इस बात को लेकर भारत में सियासत तेज हो गई है। पीएम मोदी की आगामी चीन यात्रा को लेकर ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुसलमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने पीएम मोदी के इस यात्रा से पहले केंद्र सरकार से चीन को लेकर अपना रुख साफ करने की मांग की है।

बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 31 अगस्त से एक सितंबर के बीच शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में भाग लेने चीन के तियानजिन जाने वाले हैं। चीन ने इस यात्रा का स्वागत किया है और इसे सहयोग और विकास का प्रतीक बताया है।

पीएम मोदी की चीन यात्रा पर क्या बोले ओवैसी?

एआईएमआईएम प्रमुख ओवैसी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि मोदी सरकार के चीन को लेकर रुख में जो यू-टर्न आया है, उस पर कई सवाल हैं। सरकार को चाहिए कि पीएम की यात्रा से पहले देश को जवाब दे। उन्होंने कहा कि चीन ने पाकिस्तान को हथियार और फाइटर जेट दिए, जिनका इस्तेमाल ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमारे जवानों के खिलाफ हुआ। साथ ही चीन ने इंटेलिजेंस और सैटेलाइट डेटा भी पाकिस्तान को दिया। ओवैसी ने सवाल उठाते हुए कहा कि हम चीन को यह साफ क्यों नहीं कह रहे कि यह अस्वीकार्य है?

दलाई लामा के मामले में भी बोल ओवैसी

ओवैसी ने आगे कहा कि जब पीएम मोदी ने दलाई लामा को 90वें जन्मदिन की बधाई दी, तब चीन ने कड़ी आपत्ति जताई, लेकिन भारत सरकार ने इस पर कोई जवाब नहीं दिया। उन्होंने कहा कि चीन ने भारत से कहा कि वह तिब्बत जैसे संवेदनशील मुद्दों पर सतर्क रहे और आंतरिक मामलों में दखल न दे। ओवैसी ने पूछा कि क्या यह हमारे राष्ट्रीय सम्मान का सवाल नहीं है? इसके साथ ही ओवैसी ने यह भी कहा कि भारत और चीन के बीच व्यापार असंतुलन 2020 से और बढ़ा है, जो देश की अर्थव्यवस्था के लिए नुकसानदायक है। लेकिन सरकार इस पर गंभीर नहीं दिख रही।

वांग यी की भारत यात्रा और बातचीत

इसी बीच चीन के विदेश मंत्री वांग यी भारत दौरे पर हैं। वे राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और विदेश मंत्री एस जयशंकर से सीमा विवाद और द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा कर रहे हैं। इस दौरान जयशंकर ने बातचीत में कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई और वैश्विक अर्थव्यवस्था में स्थिरता बनाए रखना आज की प्रमुख प्राथमिकताएं हैं। हम भारत-चीन संबंधों को संतुलित और आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

केरल की किताब में नेताजी को लेकर फर्जी दावा

> खुलासे पर विजयन सरकार ने की कार्रवाई

तिरुवनंतपुरम, 20 अगस्त (एजेंसियां)। केरल के राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) की किताब में नेताजी सुभाष चंद्र बोस को लेकर फर्जी दावा किया गया है। ये गंभीर गलती चौथी कक्षा की एक किताब में की गई थी, हालांकि अब इसे सुधार लिया गया है। बता दें कि किताब में ये लिखा गया था कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंग्रेजों के डर से जर्मनी से भाग गए थे। ये जानकारी पूरी तरह से फर्जी और भ्रामक थी, जिस पर आपत्ति जताए जाने अब बदलाव किया गया है।

केरल सरकार ने जिम्मेदार लोगों पर की कार्रवाई

वहीं इस मामले में केरल के सामान्य शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी ने सोमवार को कहा कि शिक्षक

पुस्तिका के मसौदे में सुभाष चंद्र बोस के बारे में तथ्यात्मक त्रुटि के लिए जिम्मेदार पैनल सदस्यों को भविष्य में शैक्षणिक कार्य करने से रोक दिया जाएगा।

सामान्य शिक्षा मंत्री ने स्वीकारी 'ऐतिहासिक त्रुटि'

एक फेसबुक पोस्ट में, शिवनकुट्टी ने स्वीकार किया कि कक्षा 4 की पर्यावरण अध्ययन शिक्षक पुस्तिका के संशोधित मसौदे में नेताजी के विवरण में एक ऐतिहासिक त्रुटि थी। उन्होंने कहा कि यह त्रुटि केरल राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) पैनल के सदस्यों की तरफ से की गई थी। शिक्षा मंत्री और माकपा नेता वी. शिवनकुट्टी ने आगे कहा कि यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए कि पाठ्यपुस्तक में केवल ऐतिहासिक तथ्य ही छपें। एससीईआरटी को उस विशेष पाठ्यपुस्तक समिति के सदस्यों को प्रतिबंधित करने का निर्देश दिया गया है।

एबीवीपी ने किताब को लेकर किया दावा

वहीं एबीवीपी ने कहा कि पुस्तक में और भी गलतियां हैं। एबीवीपी के राष्ट्रीय सचिव श्रवण बी. राज ने एक बयान में कहा, 'इतिहास का विरूपण माकपा सरकार की तरफ से केरल के छात्रों को विकृत इतिहास पढ़ाने के दुर्भावनापूर्ण प्रयास के तहत किया गया था। इसके अलावा, इसी पाठ्यपुस्तक के दूसरे अध्याय के एक मानचित्र से जानबूझकर असम और झारखंड के नाम हटा दिए गए है।'

इंदौर के कार्टूनिस्ट पीएम और आरएसएस से मांगेंगे माफी

इंदौर, 20 अगस्त (एजेंसियां)। इंदौर के कार्टूनिस्ट हेमंत मालवीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और आरएसएस से माफी मांगेंगे। विवादित कार्टून बनाने के चलते इंदौर के युवक ने हाईकोर्ट फिर सुप्रीम कोर्ट से मालवीय की शिकायत की थी। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में इस मामले में सुनवाई हुई। मालवीय ने कोर्ट में कहा कि वह आरएसएस और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अशोभनीय व्यंग्य चित्र बनाने के लिए फेसबुक, इंस्टाग्राम और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर माफीनामा प्रकाशित करेंगे।

जब ये किसी मुद्दे पर फंसते हैं, तो नेहरू का जिक्र करने लगते हैं : प्रमोद तिवारी

नई दिल्ली, 20 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने मंगलवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जब कभी यह सरकार किसी मुद्दे पर फंस जाती है, तो नेहरू का जिक्र करके बचने का प्रयास करती है। लेकिन, अब इस स्थिति को किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता है। सरकार को अपनी नैतिक जिम्मेदारी तय करनी होगी।

उन्होंने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में नेहरू की उपलब्धियों का बखान किया। उन्होंने कहा कि रावी नदी पर 1929 में 'अंग्रेजों भारत छोड़ो' और 'पूर्ण स्वराज' का नारा दिया था और उस समय में आपका संगठन (आरएसएस) अंग्रेजों को चिट्ठी लिख रहा था। इस संगठन को राष्ट्रहित से कोई लेना देना नहीं था। उन्होंने कहा कि मेहरबानी करके आप लोग पंडित नेहरू पर सवाल उठाना बंद कीजिए। पंडित नेहरू ने देश को बनाने में अहम भूमिका निभाई। नेहरू के दम पर ही पंचवर्षीय योजनाओं के दम पर देश के विकास को नई गति मिली। आज अगर इस देश के विकास की गति तेज हो रही है, तो निश्चित तौर पर इसका श्रेय पंडित नेहरू को ही जाना चाहिए, मगर अफसोस यह लोग लगातार अपनी राजनीतिक स्थिति को दुरुस्त करने के लिए लगातार पंडित नेहरू को निशाना बना रहे हैं। कांग्रेस सांसद ने कहा कि पंडित नेहरू लंबे समय तक सलाखों में रहे।

मुंबई में आफत की बारिश : सड़क, रेल और हवाई यातायात प्रभावित, स्कूल-कॉलेज समेत सरकारी कार्यालय बंद

मुंबई, 20 अगस्त (एजेंसियां)। मुंबई में मंगलवार को हुई मूसलाधार बारिश की वजह से कई निचले इलाके जलमग्न हो गए। इससे सड़क यातायात, हवाई सेवाएं, लोकल ट्रेन और रेल सेवाएं धीमी हो गईं। बारिश की वजह हुए जलभराव समेत अन्य कारणों की वजह से महानगर और आसपास के इलाकों में सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ। शहर के नगर निकाय ने कहा कि सरकारी और अर्ध-सरकारी कार्यालय मंगलवार को बंद रहेंगे। निजी प्रतिष्ठानों से अपील की गई है कि वे अपने कर्मचारियों को घर से काम करने दें और अनावश्यक यात्रा से बचें।

बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) ने मंगलवार सुबह एक बयान में शहर और उपनगरों में लगातार हो रही भारी बारिश और आईएमडी की ओर से जारी 'रेड अलर्ट' चेतावनी के मद्देनजर एहतियाती उपाय के तौर पर बंद की घोषणा की। बयान में कहा गया है कि यह निर्णय आवश्यक सेवाओं को छोड़कर सभी बीएमसी कार्यालयों और सरकारी प्रतिष्ठानों पर लागू होता है। लगातार हो रही बारिश और आईएमडी द्वारा जारी 'रेड अलर्ट' की चेतावनी के मद्देनजर स्कूल और कॉलेज भी बंद कर दिए गए हैं। आईएमडी ने मंगलवार को मुंबई और आसपास के जिलों में कुछ जगहों पर अत्यधिक भारी बारिश की भविष्यवाणी की है। मुंबई पुलिस ने निवासियों से अपील की है कि वे केवल आवश्यक होने पर ही घर से बाहर निकलें। पुलिस ने निजी क्षेत्र से भी घर से काम करने की अनुमति देने का अनुरोध किया है।

इंडिगो समेत कई एयरलाइंस ने एडवाइजरी जारी कर दी है। इंडिगो एयरलाइंस ने ट्वीट में लिखा, 'मुंबई में भारी बारिश के कारण हवाई अड्डे के कई मार्गों पर जलभराव और यातायात धीमा हो गया है। इसके कारण परिचालन संबंधी चुनौतियां पैदा हुई हैं, जिससे प्रस्थान और आगमन दोनों में देरी हो रही है। हमें इससे होने वाली असुविधा के लिए खेद है।'

फिर से बारिश का प्रकोप झेलना पड़ा

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, पिछले 24 घंटों में मुंबई के कई हिस्सों में 200 मिमी से अधिक बारिश हुई है, जिसमें पूर्वी उपनगरों के विक्रोली में सबसे अधिक 255.5 मिमी बारिश दर्ज की गई है। उच्च शिक्षा निदेशालय ने महाराष्ट्र के कोंकण क्षेत्र के सभी कॉलेजों में अवकाश घोषित कर दिया है। यह आदेश पालघर, ठाणे, रायगढ़, रत्नागिरी और सिंधुदुर्ग जिलों के कॉलेजों पर लागू होता है।

मुंबई में भारी बारिश के एक दिन बाद मंगलवार को लोगों को फिर से बारिश का प्रकोप झेलना पड़ा। कई सड़कें जलमग्न हो गईं और सुबह से ही यातायात बाधित रहा। जलभराव की वजह से लोकल ट्रेन सेवाओं में देरी हुई। बृहन्मुंबई विद्युत आपूर्ति एवं परिवहन (बेस्ट) उपक्रम की बस सेवाओं का मार्ग कुछ स्थानों पर परिवर्तित किया गया। बोरीवली, अंधेरी, सायन, दादर और चेंबूर सहित शहर के कई हिस्सों में रात भर भारी बारिश हुई और सुबह भी बारिश जारी रही। इससे गांधी मार्केट सहित निचले इलाकों में जलभराव हो गया।

इस बीच मध्य रेलवे ने भारी बारिश के बाद एक हिस्से में पटरियां जलमग्न होने के कारण छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) और कुर्ला स्टेशनों के बीच हार्बर लाइन पर अपनी लोकल ट्रेन सेवाएं स्थगित कर दीं। कुर्ला और सायन स्टेशनों के बीच मुख्य लाइन पर भी रेल पटरियां जलमग्न हो जाने के कारण सेवाएं स्थगित कर दी गईं।

'महरौली पुरातत्व पार्क में बने स्मारकों की निगरानी करे एएसआई', सुप्रीम कोर्ट का बड़ा आदेश

नई दिल्ली, 20 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने महारौली पुरातत्व पार्क में बने स्मारकों के पास नए निर्माण से जुड़ी याचिका पर बड़ा फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को पार्क में बने स्मारकों की निगरानी पर विचार करना चाहिए। इनमें कथित तौर पर 700 साल पुरानी आशिक अल्लाह दरगाह और सूफी संत बाबा फरीद की चिल्लागाह भी शामिल हैं। सुप्रीम कोर्ट से महरौली या संजय वन में दरगाह और आसपास के अन्य ऐतिहासिक स्मारकों को ध्वस्त करने या हटाने से रोकने के लिए अधिकारियों को निर्देश देने की मांग की गई थी।

न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने कहा कि शीर्ष अदालत ने 28 फरवरी को आदेश दिया था कि हमारी अनुमति के बिना क्षेत्र में मौजूदा संरचनाओं में कोई निर्माण, परिवर्धन या परिवर्तन नहीं किया जाए। पीठ ने दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के वकील से पूछा कि आप इसे पहले क्यों ध्वस्त करना चाहते हैं? इस पर डीडीए के वकील ने कहा कि प्राधिकरण दरगाह के खिलाफ नहीं है, लेकिन आसपास कई अन्य अनधिकृत संरचनाएं बनी हुई हैं। सवाल यह है कि इसका कितना हिस्सा संरक्षित स्मारक है और कितना हिस्सा अतिक्रमण है। पीठ ने कहा कि आगे कोई निर्माण कार्य नहीं किया जाना चाहिए, लेकिन स्मारक को संरक्षित किया जाना चाहिए। हमारा संबंध केवल स्मारक से है। पीठ ने कहा कि हम यह कहते हुए इन अपीलों का निपटारा करते हैं कि एएसआई को मरम्मत, नवीनीकरण के मामले में संबंधित स्मारकों की देखरेख पर विचार करना चाहिए।

याचिकाकर्ता का दावा-अतिक्रमण नहीं किया गया

मामले से अपीलकर्ता ने तर्क दिया कि जिन स्मारकों को लेकर अपील की जा रही है, वह अतिक्रमण नहीं थे। स्मारक 12वीं शताब्दी से ही इस क्षेत्र में मौजूद हैं। अपीलकर्ता ने तर्क दिया कि संरचनाओं को केंद्रीय संरक्षित स्मारक नहीं माना गया है, फिर भी एएसआई उनकी मरम्मत और रखरखाव की निगरानी कर सकता है। डीडीए के वकील ने दलील दी कि प्राधिकरण का संबंध केवल सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेशों के अनुसार सार्वजनिक भूमि पर अतिक्रमण करने वाले अनधिकृत ढांचों को गिराने से है। अपीलकर्ता ने पार्क के अंदर स्थित धार्मिक संरचनाओं को ध्वस्त होने से बचाने की मांग की।

एएसआई ने दिया था तर्क

इससे पहले एएसआई ने कहा था कि पुरातात्विक पार्क के अंदर स्थित दोनों संरचनाओं का धार्मिक महत्व है, क्योंकि मुस्लिम श्रद्धालु प्रतिदिन इन दरगाहों पर आते हैं। शेख शहीबुद्दीन (आशिक अल्लाह) की कब्र पर एक शिलालेख कहता है कि इसका निर्माण वर्ष 1317 ईस्वी में हुआ था।

एशिया कप के लिए भारतीय क्रिकेट टीम का ऐलान

सूर्यकुमार कप्तान, गिल उपकप्तान; जायसवाल-सुंदर को स्टैंड बाय में रखा

मुंबई, 20 अगस्त (एजेंसियां)। 9 सितंबर से शुरू होने वाले एशिया कप टी-20 के लिए भारतीय क्रिकेट टीम का ऐलान हो गया है। चीफ सिलेक्टर अजित आगरकर ने मंगलवार दोपहर करीब 3 बजे टीम की घोषणा की। टीम की कप्तानी सूर्यकुमार यादव करेंगे, जबकि भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल को दौरे के लिए उपकप्तान बनाया गया है।

इस साल भारत क्रिकेट एशिया कप का मेजबान है। पाकिस्तान के भारत में खेलने से इनकार के बाद इसे UAE में आयोजित किया जा रहा है। टीम इंडिया का पहला मुकाबला 10 सितंबर को UAE से होगा।

टीम सिलेक्शन की 3 खास बातें

गिल को उपकप्तान बनाया भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल को उपकप्तान बनाया गया है। सिलेक्शन से पहले मीडिया रिपोर्ट्स में गिल की टीम में जगह नहीं बताई जा रही थी। उन्हें टी-20 वर्ल्ड कप में भी टीम में शामिल नहीं किया गया था। हालांकि IPL में गिल ने 650 रन बनाए थे।

सिराज और वाशिंगटन को मौका नहीं स्क्वॉड में अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह और हर्षित राणा को मौका मिला। हालांकि मोहम्मद सिराज और वाशिंगटन सुंदर को टीम में जगह नहीं मिली हैं। यशस्वी जायसवाल और सुंदर टीम के रिजर्व प्लेयर होंगे।

बुमराह की टी-20 वर्ल्ड कप के बाद वापसी जसप्रीत बुमराह की टी-20 टीम में वापसी हुई हैं। उन्होंने आखिरी टी-20 इंटरनेशनल टी-20 वर्ल्ड कप 2024 का फाइनल खेला था। आईपीएल में पंजाब किंग्स को फाइनल में पहुंचाने वाले श्रेयस अय्यर को भी टीम में नहीं चुना गया हैं।

भारत-पाकिस्तान के 3 मुकाबले हो सकते हैं

एशिया कप में भारत-पाकिस्तान के बीच 3 मुकाबले हो सकते है। पहला मैच 14 सितंबर को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा। आगे जानिए 2 मैच और कैसे संभव

दूसरा मैचः एशिया कप में लीग स्टेज के बाद सुपर-4 राउंड होगा। भारत-पाकिस्तान के सुपर-4 राउंड में पहुंचने पर 21 सितंबर को भारत-पाकिस्तान की दूसरी भिड़ंत हो सकती है।

तीसरा मैच : अगर दोनों टीमें फाइनल में पहुंचती हैं, तो 28 सितंबर को भारत-पाकिस्तान के बीच एशिया कप में तीसरा मुकाबला खेला जाएगा।

भारत को ग्रुप-ए में रखा; पाकिस्तान, यूओई, ओमान भी शामिल

भारतीय टीम को ग्रुप ए में रखा गया है। उसके साथ पाकिस्तान, यूएई और ओमान की टीमें हैं। ग्रुप-बी श्रीलंका, बांग्लादेश, अफगानिस्तान और हॉन्गकॉन्ग हैं। ग्रुप में सभी टीमें एक-दूसरे के खिलाफ 1-1 मैच खेलेंगी। भारत 10 सितंबर को UAE, 14 को पाकिस्तान और 19 को ओमान से भिड़ेगा।

भारत ने 8 बार जीता एशिया कप

एशिया कप की शुरुआत 1984 में हुई थी। अब तक 16 बार यह टूर्नामेंट खेला जा चुका है। भारत ने इसे सबसे ज्यादा 8 बार जीता। वहीं श्रीलंका ने 6 और पाकिस्तान ने 2 बार इस टूर्नामेंट को अपने नाम किया है।

भारतीय मेंस टीम ने 10 मीटर एयर पिस्टल में सिल्वर जीता; जूनियर शूटर्स को 5 मेडल मिले

श्याम केंट, 20 अगस्त (एजेंसियां)। कजाकिस्तान के श्यामकेंट शहर में आयोजित एशियन शूटिंग चैंपियनशिप में भारत ने 10 मीटर एयर पिस्टल टीम इवेंट में सिल्वर मेडल हासिल किया। अनमोल जैन, सौरभ चौधरी और आदित्य मालरा की तिकड़ी ने 1735 अंकों के साथ सिल्वर मेडल अपने नाम किया। पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना की टीम (हू काई, चांगजी यू और यिफान झांग) ने 1744 अंकों के साथ गोल्ड मेडल जीता, जबकि इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान की टीम ने 1733 अंकों के साथ ब्रॉन्ज मेडल प्राप्त किया।

सिंगल्स में अनमोल छठे स्थान पर रहे

पुरुष सिंगल्स में अनमोल जैन ने फाइनल में 155.1 अंकों के साथ छठा स्थान हासिल किया। क्वालिफिकेशन राउंड में उन्होंने 580 अंकों के साथ नौवां स्थान प्राप्त कर फाइनल के लिए क्वालिफाई किया था। इस इवेंट में चीन के हू काई ने गोल्ड, कोरिया गणराज्य के सुहयोन होंग ने सिल्वर और ईरान के आमिर जोहारीखौ ने ब्रॉन्ज मेडल जीता।

आदित्य मालरा 579 अंकों के साथ क्वालिफिकेशन में 13वें और ओलिंपियन व एशियन गेम्स के गोल्ड मेडलिस्ट सौरभ चौधरी 576 अंकों के साथ 21वें स्थान पर रहे। भारत के अमित शर्मा ने 588 अंकों के साथ क्वालिफिकेशन राउंड में पहला स्थान हासिल किया, जबकि वरुण तोमर 584 अंकों के साथ चौथे स्थान पर रहे। हालांकि, दोनों केवल रैंकिंग पॉइंट्स के लिए शूटिंग कर रहे थे।

सीनियर्स में 35 शूटर्स भाग ले रहे हैं

एशियन शूटिंग चैंपियनशिप में भारतीय सीनियर स्क्वाड में 35 निशानेबाज शामिल हैं, जो 15 इवेंट्स में मेडल के लिए हिस्स ले रहे हैं। दो ओलिंपिक मेडल जीतने वाली मनु भाकर भी इस दल का हिस्सा हैं। इसके अलावा, 129 भारतीय जूनियर निशानेबाज भी इस चैंपियनशिप में भाग ले रहे हैं

जूनियर शूटरों ने दो गोल्ड और तीन सिल्वर मेडल जीते

पहले दिन भारतीय जूनियर शूटर्स ने दो गोल्ड और तीन सिल्वर मेडल जीते। 17 साल के गिरीश गुप्ता ने पुरुष 10 मीटर एयर पिस्टल यूथ इवेंट में 241.3 अंकों के साथ गोल्ड मेडल हासिल किया। इस इवेंट में 14 साल के देव प्रताप ने 238.6 अंकों के साथ सिल्वर मेडल जीता। इसके अलावा, कपिल बैन्सला ने जूनियर पुरुष एयर पिस्टल इवेंट में गोल्ड मेडल अपने नाम किया। यूथ और जूनियर पुरुष टीमों ने भी सिल्वर मेडल हासिल किए।

सिंकफील्ड कप में प्रज्ञानंद ने गुकेश को हराया

जीत के साथ संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर

सेंट लुई, 20 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंद ने सिंकफील्ड कप शतरंज टूर्नामेंट के शुरुआती दौर में विश्व चैंपियन डी गुकेश को हराकर लाइव विश्व रैंकिंग में तीसरा स्थान हासिल कर लिया। प्रज्ञानंद अब अमेरिका के लेवोन अरोनियन के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। अमेरिकी खिलाड़ी ने पहले राउंड में उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव को हराया।

पहले राउंड के अन्य मुकाबलों में अमेरिका के फैबियानो कारूआना ने पोलैंड के डुडा जान-क्रिजस्टोफ के साथ ड्रॉ खेला, जबकि वाइल्ड कार्ड से प्रवेश पाने वाले सैमुअल सवियन ने अपने अमेरिकी हमवतन वेस्ली सो के साथ अंक बांटे। फ्रांस के मैक्सिम वचियर-लाग्रेव ने भी हमवतन अलीरेजा फिरौजा के साथ ड्रॉ खेला।

इस 350,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि वाले टूर्नामेंट में अभी आठ राउंड होने बाकी हैं। अभी प्रज्ञानंद और अरोनियन के बाद छह खिलाड़ी संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर हैं, जबकि गुकेश और अब्दुसत्तोरोव को अभी खाता खोलना है। प्रज्ञानंद ने गुकेश के खिलाफ सफेद मोहरों से खेलने का पूरा फायदा उठाया और केवल 36 चाल में जीत दर्ज की।

प्रज्ञानंद ने मैच के बाद कहा, 'मुझे नहीं पता कि आज क्या हुआ। मुझे लगता है कि वह थोड़ा असहज था। मैंने लगभग दो साल से उसके खिलाफ क्लासिकल शतरंज में जीत हासिल नहीं की थी। इसलिए आखिरकार जीत हासिल करके अच्छा लग रहा है।'

नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस बिल को राष्ट्रपति की मंजूरी मिली

12 अगस्त को राज्यसभा में पास हुआ था, 1975 में पहली बार प्रपोजल लाया गया था

नई दिल्ली, 20 अगस्त (एजेंसियां)। नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस बिल को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मंजूरी मिल गई है। इस बिल में भारत के खेल प्रशासन में सुधार का वादा किया गया है। केंद्र सरकार द्वारा जारी राजपत्र अधिसूचना में कहा गया है कि राष्ट्रपति की मंजूरी मिल गई थी।

इस बिल को 23 जुलाई को लोकसभा में पेश किया गया और 11 अगस्त को इसे वहां पारित कर दिया गया। इससे एक दिन बाद राज्यसभा ने दो घंटे से ज्यादा समय तक चली चर्चा के बाद इसे पारित कर दिया था।

नेशनल स्पोर्ट्स बिल को लाने की शुरुआत 1975 से हुई थी। लेकिन हर बार राजनीतिक कारणों के चलते यह बिल कभी संसद नहीं जा पाया था।

बीसीसीआई पर आरटीआई लागू नहीं होगा

बीसीसीआई अब भी आरटीआई के दायरे में नहीं आएगा। खेल मंत्रालय ने नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस बिल में संशोधन किया है। इसके अनुसार, अब केवल उन्हीं खेल संगठनों को इसके दायरे में लाया गया है, जो सरकारी अनुदान और सहायता लेते हैं। BCCI खेल मंत्रालय से कोई अनुदान नहीं लेता है। हालांकि विभिन्न संगठन कई बार BCCI को RTI (सूचना का अधिकार) के दायरे में लाने की मांग करते रहे हैं।

23 जुलाई को बिल पेश किया था

खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने 23 जुलाई को लोकसभा में नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस बिल, 2025 पेश किया था। इस बिल में खेलों के विकास के लिए नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस बॉडी, नेशनल स्पोर्ट्स बोर्ड, नेशनल खेल इलेक्शन पैनल और नेशनल स्पोर्ट्स ट्रिब्यूनल बनाने के प्रावधान हैं। संसद में इस बिल को जीपीसी में भेजने की मांग भी उठी है।

1975 से शुरुआत हुई

नेशनल स्पोर्ट्स बिल को लाने की शुरुआत 1975 में हुई थी। लेकिन राजनीतिक कारणों से यह कभी संसद तक नहीं पहुंच सका था। 2011 में नेशनल स्पोर्ट्स कोड बना, जिसे बाद में बिल में बदलने की कोशिश हुई, लेकिन वह भी अटक गया। अब 2036 ओलिंपिक की बोली लगाने की तैयारी के तहत खेल प्रबंधन में पारदर्शिता और अंतरराष्ट्रीय स्तर की व्यवस्था लाने के लिए इसे लाया गया है।

नेशनल एंटी-डोपिंग बिल क्या हैं

नेशनल एंटी-डोपिंग (संशोधन) बिल, 2025 एक ऐसा कानून है जो भारत में डोपिंग रोकने की व्यवस्था को अंतरराष्ट्रीय मानकों के मुताबिक बनाने के लिए लाया गया है। इसका मुख्य मकसद यह सुनिश्चित करना है कि भारत की नेशनल एंटी-डोपिंग एजेंसी पूरी तरह स्वतंत्र तरीके से काम करे और उस पर सरकार का सीधा दखल न हो।

क्यों लाया गया?

2022 में नेशनल एंटी-डोपिंग एक्ट पास हुआ था, लेकिन एजेंसी(वर्ल्ड एंटी डोपिंग एजेंसी) ने इसमें कुछ आपत्तियां जताईं। एजेंसी को यह आपत्ति थी कि भारत में बनाए गए नेशनल बोर्ड फॉर एंटी-डोपिंग इन स्पोर्ट्स को बोर्ड पर निगरानी और निर्देश देने का अधिकार था, जिसे उन्होंने सरकारी हस्तक्षेप माना। अगर एजेंसी के नियमों का पालन नहीं होता, तो भारत को अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में प्रतिबंध झेलना पड़ सकता था।

2025 में क्या बदलाव हुए?

बोर्ड (नेशनल बोर्ड फॉर एंटी-डोपिंग) बना रहेगा, लेकिन अब उसके पास बोर्ड पर कोई निगरानी या निर्देश देने का अधिकार नहीं होगा। बोर्ड को ऑपरेशनल इंडिपेंडेंस (संचालन की पूरी स्वतंत्रता) दी गई है। इसका मतलब है कि डोपिंग से जुड़े फैसले केवल बोर्ड के विशेषज्ञ और अधिकारी लेंगे, न कि सरकार या कोई राजनीतिक नियुक्त व्यक्ति।

फायदा क्या होगा?

भारत का एंटी-डोपिंग सिस्टम एजेंसी के नियमों के अनुरूप होगा। खिलाड़ियों को डोपिंग मामलों में निष्पक्ष जांच और सुनवाई मिलेगी। भारत की अंतरराष्ट्रीय खेलों में साख बनी रहेगी और कोई बैन या सस्पेंशन का खतरा नहीं रहेगा।

अल्कराज ने सिनसिनाटी मास्टर्स का खिताब जीता

इस टूर्नामेंट में उनका पहला खिताब है; सिनर चोट के कारण फाइनल से हटे

सिनसिनाटी, 20 अगस्त (एजेंसियां)। स्पेन के कार्लोस अल्काराज ने सिनसिनाटी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट में अपना पहला खिताब जीत लिया है। फाइनल मुकाबले में वर्ल्ड नंबर 1 जैनिक सिनर को पहले सेट के दौरान चोट के कारण रिटायर होना पड़ा, जिसके बाद अल्काराज को विजेता घोषित किया गया।

तीन महीनों में चौथी बार भिड़े

पिछले तीन महीनों में यह चौथा मौका है जब सिनर और अल्काराज किसी टूर्नामेंट के फाइनल में भिड़े। यह सिलसिला रोम से शुरू हुआ, फिर फ्रेंच ओपन और विम्बलडन में जारी रहा और अब सिनसिनाटी में एक और मास्टर्स 1000 फाइनल में दोनों आमने-सामने थे।

सिनर आठवीं बार मास्टर्स 1000 फाइनल में पहुंचे थे

सिनर इस टूर्नामेंट में शानदार फॉर्म में थे। पिछले साल के चैंपियन सिनर ने सिनसिनाटी में एक भी सेट नहीं गंवाया और अपने आठवें मास्टर्स 1000 फाइनल में जगह बनाई। वह हार्ड कोर्ट पर लगातार 26 मैच जीत चुके हैं, जिसमें 2023 शंघाई मास्टर्स, एटीपी वर्ल्ड टूर फाइनल्स और 2024 ऑस्ट्रेलियन ओपन के खिताब शामिल हैं।

उन्हें आखिरी हार्ड कोर्ट फाइनल में हार पिछले साल अक्टूबर में बीजिंग में अल्काराज के खिलाफ मिली थी, जब अल्काराज ने तीन सेटों में वापसी करते हुए जीत हासिल की थी।

अल्काराज दूसरी बार टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचे थे

दूसरी ओर, अल्काराज का सिनसिनाटी में सफर थोड़ा चुनौतीपूर्ण रहा। उन्होंने टूर्नामेंट में दो सेट गंवाए, लेकिन फिर भी लगातार सातवें टूर-लेवल फाइनल में जगह बनाई। यह उनका सिनसिनाटी में दूसरा फाइनल था। इससे पहले 2023 में वह नोवाक जोकोविच के खिलाफ फाइनल में हार गए थे।

अल्काराज और सिनर अब 13 बार आपस में भिड़ चुके हैं

इससे पहले, अल्काराज और सिनर के बीच 13 मुकाबले खेले जा चुके हैं, जिसमें अल्काराज 8-5 से आगे थे। इस साल रोम और फ्रेंच ओपन में अल्काराज ने सिनर को लगातार पांच बार हराया। हालांकि, विम्बलडन में सिनर ने चार सेटों में जीत हासिल कर अल्काराज की जीत का सिलसिला तोड़ा और अपना पहला विम्बलडन खिताब जीता।

पाकिस्तान हॉकी एशिया कप से हटा

ओमान ने भी नाम वापस लिया, बांग्लादेश और कजाकिस्तान को मौका; 29 अगस्त से टूर्नामेंट

इस्लामाबाद, 20 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान 29 अगस्त से शुरू हो रहे एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट से अधिकृत रूप से हट गया है। इतना ही नहीं, ओमान ने भी अपना नाम वापस ले लिया है। ऐसे में बांग्लादेश और कजाकिस्तान को मौका दिया गया था। हॉकी इंडिया के एक सूत्र ने दैनिक भास्कर को बताया- 'मंगलवार सुबह पाकिस्तान हॉकी फेडरेशन ने भारत आने से अधिकृत तौर पर इनकार कर दिया है। ओमान की टीम भी हट गई है। ऐसे में बांग्लादेश और कजाकिस्तान को ड्रॉ में शामिल कर दिया।'

इससे पहले मीडिया रिपोर्ट में पाकिस्तान के इस टूर्नामेंट से हटने की बातें कही जा रही थीं। एक महीने पहले पाकिस्तान हॉकी फेडरेशन ने सुरक्षा कारणों का हवाला दिया था। हालांकि, भारत सरकार ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों को वीजा दिया था।

एशिया कप से हटने के साथ ही पाकिस्तान ने वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई करने का एक मौका गंवा दिया है। दरअसल, एशिया कप जीतने वाली टीम को वर्ल्ड कप का टिकट मिलता है। हॉकी का अगला वर्ल्ड कप 2026 में बेल्जियम और नीदरलैंड में खेला जाएगा।

एशिया कप का गौरवशाली इतिहास

एशिया कप हॉकी की शुरुआत 1982 में पाकिस्तान के कराची में हुई थी। तब से लेकर अब तक यह टूर्नामेंट एशियाई हॉकी का सबसे प्रतिष्ठित आयोजन बना हुआ है। इसके इतिहास में सबसे सफल टीम दक्षिण कोरिया रही है, जिसने पांच बार यह खिताब अपने नाम किया है।

भारत और पाकिस्तान दोनों ने तीन-तीन बार चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया है। दिलचस्प बात यह है कि भारत आठ बार फाइनल में पहुंची है, लेकिन पांच बार हार का सामना करना पड़ा है। यह आंकड़ा भारतीय हॉकी की निरंतरता और दृढ़ता को दर्शाता है।

साउथ अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया को 297 रन का टारगेट दिया

मार्करम, बवुमा और मैथ्यू के अर्धशतक; रबाडा चोट के कारण पूरी सीरीज से बाहर

केर्न्स, 20 अगस्त (एजेंसियां)। साउथ अफ्रीका ने 3 मैचों की वनडे सीरीज के पहले मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 297 रन का टारगेट दिया है। ऑस्ट्रेलिया के कैर्न्स शहर में खेले जा रहे इस मुकाबले का टॉस कंगारू टीम ने जीता। कप्तान मिचेल मार्श ने गेंदबाजी करने का फैसला किया।

साउथ अफ्रीका की ओर से ओपनर ऐडन मार्करम, कप्तान तेम्बा बावुमा और मैथ्यू ब्रीट्जके ने अर्धशतकीय पारी खेली। मार्करम ने सबसे ज्यादा 81 बॉल पर 82 रन बनाए। इनमें 9 चौके शामिल रहे। रायन रिकेल्टन ने 33 और वियान मुल्डर ने नाबाद 31 रन का योगदान दिया। ऑस्ट्रेलिया की ओर से ट्रैविस हेड ने चार विकेट झटके। बेन ड्वारशस को दो और एडम जम्पा को एक विकेट मिला।

वनडे सीरीज से पहले साउथ अफ्रीका को बड़ा झटका लगा। जब उसके तेज गेंदबाज कागिसो रबाडा टखने की चोट के कारण बाहर हो गए। एक स्कैन में रबाडा के दाहिने टखने में सूजन की पुष्टि हुई। रबाडा ऑस्ट्रेलिया में टीम के साथ रहेंगे और रिहैबिलिटेशन से गुजरेंगे। पिछले हफ्ते केवेना मफाका को रबाडा की जगह टीम में शामिल किया गया, हालांकि पहले वनडे के लिए उन्हें प्लेइंग-11 में जगह नहीं मिली।

3 दिन पहले 16 अगस्त को ऑस्ट्रेलिया ने 3 मैचों की टी-20 सीरीज 2-1 से अपने नाम की थी। कंगारुओं ने तीसरे और आखिरी मैच में को 2 विकेट से जीता था। इस मैच में ग्लेन मैक्सवेल ने फिफ्टी लगाई।

साउथ अफ्रीका ने दूसरे टी-20 में 53 रन से जीत हासिल की थी। जबकि ऑस्ट्रेलिया ने पहला टी-20 मैच 17 रन से जीता था।

पीसीबी ने बाबर-रिजवान को कैटेगरी-ए से बी में डाला

सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट की लिस्ट जारी; खिलाड़ियों की संख्या 27 से बढ़ाकर 30 हुई

इस्लामाबाद,, 20 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बैटर बाबर आजम और विकेटकीपर-बैटर मोहम्मद रिजवान को कैटेगरी-ए से बी में डाल दिया है। बोर्ड ने मंगलवार को नए सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट की 30 खिलाड़ियों की लिस्ट जारी की है। इसमें खिलाड़ियों की संख्या 27 से बढ़ाकर 30 कर दी गई है।

2025-26 सीजन में कैटेगरी-ए को शामिल नहीं किया गया है। पिछले साल बाबर और रिजवान ही कैटेगरी-ए में रखे जाने वाले खिलाड़ी थे। वहीं युवा खिलाड़ी हसन नवाज, मोहम्मद हारिस और सुफियान मोकिम को 2025-26 सीजन के लिए सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में शामिल किया गया है।

तीनों कैटेगरी में 10-10 खिलाड़ी

कैटेगरी-बी, सी और डी तीनों में 10-10 खिलाड़ियों को जगह मिली है। जबकि कैटेगरी-ए को इस सीजन हटा दिया गया है। यह कॉन्ट्रैक्ट 1 जुलाइ 2025 से 30 जून 2026 तक रहेगा।

12 खिलाड़ियों को पहली बार शामिल किया गया

12 युवा खिलाड़ियों को उनके शानदार प्रदर्शन को देखते हुए पहली बार सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट दिया गया। इसमें अहमद दानियाल, फहीम अशरफ, हसन अली, हसन नवाज, हुसैन तलत, खुशदिल शाह, मोहम्मद अब्बास, मोहम्मद हारिस, मोहम्मद नवाज, साहिबजादा फरहान, सलमान मिर्जा और सुफियान मोकिम के नाम शामिल हैं।

पांच खिलाड़ियों को प्रमोट किया गया

पिछले साल के प्रदर्शन के आधार पर पांच खिलाड़ियों को प्रमोट किया गया है। इसमें अबरार अहमद, हारिस रऊफ, सैम अयूब, सलमान अली आगा और शादाब खान के नाम शामिल हैं। सभी को सी से बी कैटेगरी में प्रमोट किया गया है।

आठ खिलाड़ी कॉन्ट्रैक्ट से चूके

इस साल आमिर जमाल, हसीबुल्लाह, कामरान गुलाम, मीर हमजा, मोहम्मद अली, मोहम्मद हुरैरा, मुहम्मद इरफान खान और उस्मान खान कॉन्ट्रैक्ट में शामिल होने से चूक गए।

एशिया कप के लिए बाबर-रिजवान को टीम में जगह नहीं

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने रविवार को एशिया कप 2025 और उससे पहले खेले जाने वाले यूएई ट्राई-सीरीज के लिए 17 मेंबर्स वाले टी-20 स्क्वॉड का ऐलान कर दिया है। टीम में बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान को शामिल नहीं किया गया है। टीम की कप्तानी ऑलराउंडर सलमान अली आगा को सौंपी गई है। एशिया कप यूएई में 9 से 28 सितंबर तक खेला जाएगा। वहीं, इससे पहले होने वाली ट्राई-सीरीज में पाकिस्तान, अफगानिस्तान और यूएई हिस्सा लेंगे।

बुध प्रदोष व्रत पर बन रहा है दुर्लभ सिद्धि योग

इन 4 राशियों की चमक सकती है किस्मत!

हिंदू धर्म में प्रदोष व्रत का विशेष महत्व बताया गया है। शास्त्रों के अनुसार, त्रयोदशी तिथि को भगवान शिव की आराधना करने से मनुष्य को समस्त पापों से मुक्ति मिलती है और सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है। पंचांग के अनुसार, इस साल 20 अगस्त 2025, बुधवार को भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि पर बुध प्रदोष व्रत रखा जाएगा। इस दिन का महत्व इसलिए और बढ़ गया है क्योंकि इस बार व्रत के दिन दुर्लभ सिद्धि योग और पुनर्वसु नक्षत्र का संयोग बन रहा है।

वृषभ, कुंभ, तुला, कन्या राशि वालों को होगा जबरदस्त फायदा

वृषभ राशि: इस राशि के जातकों को धन लाभ होने के प्रबल योग बन रहे हैं। आपको कोई रुका हुआ पैसा वापस मिल सकता है या व्यापार में बड़ा मुनाफा हो सकता है। नौकरीपेशा लोगों को तरक्की मिलने के योग हैं। परिवार में सुख-समृद्धि का माहौल रहेगा।

कुंभ राशि: कुंभ राशि वालों के लिए यह दिन खुशियां लेकर आएगा। आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा और आय के नए स्रोत खुलेंगे। स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से छुटकारा मिलेगा। इस दौरान आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी।

तुला राशि: तुला राशि वालों के लिए यह योग किसी वरदान से कम नहीं है। आपके जीवन में चल रही परेशानियां खत्म होंगी। करियर में सफलता के नए रास्ते खुलेंगे। आप कोई नया काम शुरू कर सकते हैं, जिसमें आपको बड़ी सफलता मिलेगी।

कन्या राशि: कन्या राशि के जातकों की किस्मत इस दिन चमक सकती है। आपको हर क्षेत्र में सफलता मिलेगी। खासकर व्यापार और नौकरी में बड़ी तरक्की के योग बन रहे हैं। लंबे समय से अटके हुए कार्य पूरे होंगे।

बुध प्रदोष व्रत की पूजा विधि

बुध प्रदोष व्रत के दिन भगवान शिव के साथ माता पार्वती की पूजा करने का विधान है। प्रदोष व्रत में शाम के समय पूजा करना शुभ माना जाता है। इस दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और साफ कपड़े पहनें। हाथ में जल लेकर व्रत का संकल्प लें।

प्रदोष काल यानी शाम के समय, भगवान शिव की मूर्ति या शिवलिंग को गंगाजल से स्नान कराएं। भगवान शिव को बेलपत्र, धतूरा, अक्षत, फूल, भांग, शहद, शक्कर आदि अर्पित करें। शिव चालीसा और प्रदोष व्रत कथा का पाठ करें। आखिर में आरती कर भगवान से अपनी मनोकामनाएं पूरी करने की प्रार्थना करें।

बुध प्रदोष व्रत का महत्व

बुधवार के दिन पड़ने वाला प्रदोष व्रत बुध प्रदोष कहलाता है। मान्यता है कि इस दिन व्रत और भगवान शिव की पूजा करने से जीवन में आने वाली बाधाओं का नाश होता है और स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों से छुटकारा मिलता है। शिवजी की कृपा से व्यापार और करियर में सफलता भी प्राप्त होती है।

महाभारत युद्ध से पहले श्रीकृष्ण की पांडवों को सीख

जब तक सब साथ मिलकर नहीं चलेंगे, तब तक कोई भी लक्ष्य हासिल नहीं हो सकता

महाभारत में जब पांडव जुए में हार गए, तो उन्हें बारह वर्ष का वनवास और एक वर्ष का अज्ञातवास भुगतना पड़ा। कौरव और पांडवों ने ये नियम तय किया था कि जब पांडव वनवास और अज्ञातवास पूरा करके लौट आएंगे, तब उन्हें उनका राज्य लौटा दिया जाएगा। जब पांडव वनवास और अज्ञातवास पूरा करके दुर्योधन के पास पहुंचे तो दुर्योधन ने पांडवों को राज्य देने से मना कर दिया। बहुत समझाने के बाद भी दुर्योधन पांडवों को पांच गांव देने के लिए भी तैयार नहीं हुआ। ऐसे में पांडवों के पास एक ही रास्ता बचा था युद्ध करके अपना राज्य फिर प्राप्त करना।

पांडवों ने जब युद्ध की बात सोची तो सबसे पहले उन्होंने अपने संसाधनों और स्थिति का आकलन किया। कौरवों के पास भीष्म, द्रोणाचार्य, कर्ण जैसे महारथी थे। उनकी सेना बहुत विशाल थी। कौरव की विशाल सेना और बड़े योद्धाओं के सामने पांडव सिर्फ पांच ही थे।

जब पांडवों ने दोनों पक्षों का आकलन किया तो अर्जुन तक ने हार मानने की बात कही, लेकिन उस समय भगवान श्रीकृष्ण ने उन्हें मार्गदर्शन दिया।

श्रीकृष्ण ने पांडवों को समझाया कि सही बात के लिए अगर हमें युद्ध लड़ना पड़े तो पीछे नहीं हटना चाहिए। ऐसा युद्ध हिंसा नहीं है, ये सत्य की रक्षा के लिए होगा। संख्या में कौरव भले ही ज्यादा हैं, लेकिन उनके बीच मतभेद हैं। कर्ण भीष्म को पसंद नहीं करते, द्रोण दुर्योधन को पसंद नहीं करते, दुर्योधन हमेशा भीष्म और द्रोण को अपमानित करता रहता है। तुम भले ही संख्या में पांच हों, लेकिन तुम्हारे बीच मतभेद नहीं है। तुम्हारे बीच एकता है, जो कौरवों में नहीं है। एक बात हमेशा ध्यान रखनी चाहिए, जिन लोगों के बीच एकता होती है, मतभेद नहीं होते हैं, जीत उन्हीं की होती है। चाहे परिवार हो, कार्यस्थल हो या कोई संगठन, एकता सबसे बड़ी पूंजी होती है।

श्रीकृष्ण की सीख:

एकता सबसे बड़ी ताकत है: चाहे परिवार हो या ऑफिस की टीम, जब तक सब मिलकर नहीं चलेंगे, तब तक कोई भी लक्ष्य हासिल नहीं हो सकता।

सही के लिए खड़े होना जरूरी है: यदि आपके साथ अन्याय हो रहा है, तो चुप रहना समाधान नहीं है। पहले शांतिपूर्वक तरीके से समझाएं, लेकिन जरूरत पड़े तो न्याय के लिए संघर्ष करना पड़े तो पीछे न हटें।

अपनी कमजोरियों के लिए सावधान रहें: कौरवों की हार का कारण बाहरी दुश्मन नहीं, बल्कि उनके आंतरिक मतभेद थे। जीवन में भी अक्सर हम बाहर के कारण नहीं, अपने विचारों की नकारात्मकता से हारते हैं। इसलिए अपनी कमजोरियों के लिए सतर्क रहना चाहिए।

टीम वर्क सबसे जरूरी है: सिर्फ टैलेंट या संसाधन काफी नहीं होते। अगर टीम में तालमेल और विश्वास है, तो असंभव को भी संभव किया जा सकता है।

आखिर किस दिन पड़ रही है भाद्रपद माह की अमावस्या

हिंदू धर्म में अमावस्या की तिथि को बहुत विशेष माना जाता है। साल 2025 में अगस्त माह की अमावस्या को भाद्रपद माह की अमावस्या के नाम से जाना जाता है।

अमावस्या तिथि पितरों का तर्पण करने और श्राद्ध के लिए सबसे उत्तम तिथि मानी जाती है। इस दिन स्नान, दान का विशेष महत्व होता है। अमावस्या तिथि के दिन पितृ दोष से मुक्ति पाने के लिए इस दिन पवित्र नदी में स्नान करना चाहिए।

भाद्रपद माह की अमावस्या तिथि को लेकर लोगों में संशय बना हुआ है। 22 या 23 अगस्त किस दिन पड़ रही है भाद्रपद माह की अमावस्या।

भाद्रपद अमावस्या की तिथि की शुरुआत 22 अगस्त को सुबह 11 बजकर 55 मिनट पर होगी। अमावस्या तिथि का समापन 23 अगस्त को सुबह 11 बजकर 35 मिनट पर होगा। इसीलिए भाद्रपद माह की अमावस्या 23 अगस्त, शनिवार के दिन पड़ रही है। शनिवार के दिन अमावस्या तिथि पड़ती है तो इस तिथि को शनि अमावस्या कहेंगे।

अमावस्या तिथि को कालसर्प दोष निवारण की पूजा करने के लिए उपयुक्त माना जाता है। साथ ही इस दिन पितरों की आत्मा की शांति के लिए श्राद्ध और तर्पण भी करना उपयुक्त माना जाता है।

इस दिन बनने वाले शुभ योग

अमावस्या तिथि के दिन परिघ योग का निर्माण हो रहा है। इस दिन मघा नक्षत्र रहेगा। इस दिन शनिवार के दिन और शनि अमावस्या होने के कारण इस दिन महत्व और अधिक बढ़ जाएगा। इस दिन आप शनि देव का भी आशीर्वाद ले सकते हैं।

इस मुहूर्त में करें स्नान-दान

अमावस्या तिथि के दिन स्नान और दान करने के लिए सबसे अच्छा मुहूर्त सुबह सूर्योदय से पहले का होता है यानि ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान और दान करें । इस दिन ब्रह्म मुहूर्त का समय रहेगा ब्रह्म मुहूर्त सुबह 4 बजकर 34 मिनट से लेकर सुबह 5 बजकर 22 मिनट तक।

अगर दिख जाएं ये शुभ चीजें, तो समझ लीजिए अमीर बनने वाले हैं आप, मां लक्ष्मी दे रही हैं संकेत!

हिंदू धर्म में मां लक्ष्मी को धन, वैभव और समृद्धि की देवी माना गया है। मान्यता है कि जब मां लक्ष्मी किसी व्यक्ति पर कृपा करती हैं तो उसके जीवन में अचानक सुख-समृद्धि और धन का आगमन होता है। शास्त्रों और पुराणों में ऐसे कई संकेत बताए गए हैं, जिन्हें देखकर समझा जा सकता है कि मां लक्ष्मी आपके जीवन में प्रवेश कर रही हैं। ये शुभ संकेत यदि आपके आस-पास दिखाई दें तो समझ लीजिए कि आने वाला समय आपको अमीर बना सकता है। सुबह-सुबह शंख या मंदिर की घंटी की आवाज सुनाई देना सुबह का समय बेहद शुभ माना जाता है। अगर आप सुबह उठते ही शंख या मंदिर में बजने वाली घंटी की आवाज सुनते हैं, तो यह बहुत ही अच्छा संकेत है। यह इस बात का संकेत है कि आपके जीवन में सकारात्मकता और समृद्धि आने वाली है। यह सीधे तौर पर मां लक्ष्मी के आगमन का प्रतीक माना जाता है।

धार्मिक स्थानों पर बार-बार बुलावा मिलना

यदि बार-बार आपके मन में मंदिर जाने की इच्छा होने लगे या अचानक किसी धार्मिक यात्रा का योग बन जाए, तो यह भी इस बात का संकेत है कि मां लक्ष्मी आप पर प्रसन्न हैं और जल्द ही आपको धन-संपत्ति की प्राप्ति होगी।

सोने-चांदी के सपने देखना

स्वप्न शास्त्र में बताया गया है कि अगर कोई व्यक्ति सपने में सोना-चांदी, गहने या रुपए देखे, तो यह मां लक्ष्मी की कृपा का विशेष संकेत है। ऐसा सपना बताता है कि शीघ्र ही आपके घर में धन का आगमन होगा।

घर के मुख्य द्वार पर काली चींटियों का समूह दिखना यह सुनकर थोड़ा अजीब लग सकता है, लेकिन ज्योतिष और वास्तु शास्त्र में काली चींटियों का घर में दिखना, विशेषकर मुख्य द्वार पर, बहुत शुभ माना जाता है। अगर आपको चावल के दानों को ले जाती हुई काली चींटियों का झुंड दिख जाए, तो यह धन लाभ का स्पष्ट संकेत है। यह बताता है कि आपकी मेहनत रंग लाएगी और जल्द ही आपके घर में पैसा आने वाला है।

सपने में झाड़ू, उल्लू या कमल का फूल देखना

कुछ सपने ऐसे होते हैं जिनका गहरा अर्थ होता है। अगर आपको सपने में झाड़ू दिखती है, तो यह सफाई और समृद्धि का प्रतीक है। वहीं, उल्लू को मां लक्ष्मी का वाहन माना जाता है।

सपने में उल्लू देखना धन आगमन का बहुत बड़ा संकेत है। इसके अलावा, कमल का फूल भी मां लक्ष्मी का प्रिय आसन है। अगर आपको ये चीजें सपने में दिखाई दें, तो समझिए कि मां लक्ष्मी आपसे प्रसन्न हैं और आपको मालामाल करने वाली हैं।

अचानक मोर या उल्लू का दिखना

अगर घर से बाहर निकलते समय या अचानक कहीं आपको मोर या उल्लू दिख जाए, तो यह बेहद शुभ माना जाता है।

मोर को भी धन और सौभाग्य का प्रतीक माना गया है। वहीं, उल्लू का अचानक दिखना इस बात का संकेत देता है कि मां लक्ष्मी आपके घर पधारने वाली हैं और आपके जीवन में खुशहाली आने वाली है।

हाथों में खुजली होना

ज्योतिष में यह एक बहुत ही प्रचलित मान्यता है कि अगर आपके सीधे हाथ (दाहिने हाथ) की हथेली में खुजली हो, तो इसका मतलब है कि आपको धन लाभ होने वाला है।

इसके विपरीत, अगर बाएं हाथ की हथेली में खुजली हो तो इसका मतलब है कि धन का खर्च होने वाला है। हालांकि, यह एक पुरानी मान्यता है, पर इसे अक्सर लोग आज भी मानते हैं।

50 साल बाद शनि अमावस्या पर शुक्र का नक्षत्र परिवर्तन

5 राशियों की बढ़ेंगी सुख सुविधाएं और होगा भाग्योदय

23 अगस्त को भाद्रपद अमावस्या की तिथि का पर्व मनाया जाएगा और इस अमावस्या को पिथौरा अमावस्या भी कहा जाता है। ग्रह का नक्षत्र परिवर्तन होने वाला है और ऐसा 50 साल बाद हो रहा है। इस दिन शुक्र कर्क राशि में रहते हुए पुष्य नक्षत्र में प्रवेश करेंगे और इस नक्षत्र के स्वामी स्वयं शनिदेव हैं। शुक्र ग्रह धन, विलासिता, समृद्धि और आर्थिक लाभ के कारक ग्रह हैं। साथ ही शुक्र ग्रह राशि चक्र के साथ-साथ एक निश्चित समय के बाद नक्षत्र परिवर्तन भी करते हैं। शनिदेव के ही नक्षत्र में शुक्र का नक्षत्र परिवर्तन 5 राशियों के लिए कल्याणकारी रहने वाला है।

शनि अमावस्या 2025 के दिन शुक्र का नक्षत्र गोचर वृषभ राशि वालों के लिए शुभ फलदायी रहने वाला है। यह समय उन लोगों के लिए अनुकूल होगा, जो नई नौकरी की तलाश में हैं या भूमिका में बदलाव की योजना बना रहे हैं। बिजनस में नए साझेदारी में प्रवेश करने की संभावना है और आप नए सौदों से अच्छा कमा सकते हैं। इस अवधि में आप अच्छे स्वास्थ्य का आनंद ले सकते हैं और उचित चिकित्सा सलाह से पिछले परेशानियों को दूर कर सकते हैं। शेयर बाजार और विभिन्न प्रकार के निवेश से कमाई की संभावना है और ससुराल पक्ष के साथ अच्छे संबंध रहेंगे।

शनि अमावस्या 2025 के दिन शुक्र का नक्षत्र गोचर कर्क राशि वालों के लिए अनुकूल रहने वाला है। इस अवधि में कर्क राशि वालों को कुछ अच्छी खबरें मिलेंगी और आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। अच्छी बचत के अवसर होंगे और वे अपनी संपत्ति को काफी बढ़ा सकते हैं। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी और विभिन्न सौदों से सम्मान प्राप्त कर सकते हैं। अविवाहित लोगों के लिए उपयुक्त विवाह प्रस्ताव आएंगे। इस राशि के जातक जो काफी समय से नई नौकरी की खोज कर रहे हैं, उनको करियर की शुरुआत करने का मौका मिलेगा।

शनि अमावस्या के दिन शुक्र का नक्षत्र परिवर्तन कन्या राशि वालों के लिए कल्याणकारी साबित होगा। कन्या राशि वालों के करियर में अच्छी वृद्धि होगी और अधिकारियों व सहकर्मियों के साथ अच्छे संबंध रहेंगे। शुक्र नक्षत्र गोचर से पारिवारिक जीवन में खुशी रहेगी और कन्या राशि वाले अपने पार्टनर के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिता सकते हैं। अविवाहित लोगों के लिए नए प्रस्तावों की संभावना है। आपके व्यक्तिगत जीवन की सभी योजनाएं सही क्रियान्वयन के साथ सफल साबित होंगी। मकान व वाहन खरीदने की आपकी इच्छा पूरी होगी।

शनि अमावस्या 2025 के दिन शुक्र का नक्षत्र गोचर तुला राशि वालों के लिए विभिन्न अधूरे कार्यों को पूरा करने का शुभ समय साबित होगा क्योंकि तुला राशि के स्वामी शुक्र ग्रह ही हैं।

इस राशि के नौकरीपेशा लोगों को अधिकारियों का पूरा साथ मिलेगा और सैलरी स्तर में काफी वृद्धि होगी। नक्षत्र गोचर के कारण व्यापारियों को कई अवसर मिलेंगे, जिससे वे नए सौदे या साझेदारी कर सकते हैं। वित्तीय स्थिति अत्यंत स्थिर रहेगी और अच्छा धन संचित किया जा सकता है।

शनि अमावस्या 2025 के दिन शुक्र का नक्षत्र गोचर वृश्चिक राशि वालों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होने वाला है। इस अवधि में वृश्चिक राशि वालों की आय का स्तर कई गुणा बढ़ जाएगी और घर के लिए सुख सुविधाओं से संबंधित चीजों की खरीदारी भी करेंगे। पहले किए गए निवेश से आय प्राप्त होने की संभावना है, और लोग नए सौदों से भी लाभ कमा सकते हैं।

व्यापार, बुद्धि और वाणी में सुधार चाहिए तो बुध ग्रह को मजबूत करने के लिए करें यह उपाय

बुध ग्रह का असर

बुध ग्रह सिर्फ पढ़ाई-लिखाई या ज्ञान का ही कारक नहीं है, बल्कि यह आपके व्यक्तित्व, सुंदरता और बोलने की शैली को भी प्रभावित करता है। मजबूत बुध आपको उम्र से कम दिखा सकता है, आपकी वाक-शक्ति को निखार सकता है और व्यापार में तरक्की दिला सकता है। अच्छी बुध स्थिति से आप कठिन हालात में भी समझदारी से फैसले ले पाते हैं।अगर बुध कमजोर हो, तो सोचने में उलझन, गलत लोगों पर भरोसा करना, और बार-बार असफलता जैसी परेशानियां सामने आती हैं। ऐसे में इसे मजबूत करने के लिए सही उपाय करना जरूरी है।

आसान उपाय – मंदिर में गंगाजल और तुलसी का सेवन

अगर आप चाहते हैं कि बुध ग्रह आपकी कुंडली में मजबूत हो जाए और जीवन में सकारात्मक बदलाव लाए, तो यह उपाय करें:

किसी भी विष्णु-लक्ष्मी मंदिर में जाएं – बुधवार का दिन इस उपाय के लिए सबसे अच्छा माना जाता है।

विष्णु जी के पास रखा गंगाजल और तुलसी लें – मंदिर के पंडित जी से विनम्रता से गंगाजल और तुलसी पाने के लिए कहें।

गंगाजल और तुलसी का सेवन करें – इसे श्रद्धा और विश्वास के साथ ग्रहण करें।

लगातार पांच बुधवार तक करें – पांच हफ्तों तक यह उपाय करने से बुध की स्थिति में सकारात्मक बदलाव आ सकता है।

क्यों असर करता है यह उपाय?

गंगाजल को पवित्र और ऊर्जावान माना जाता है। तुलसी में औषधीय और आध्यात्मिक दोनों तरह की शक्ति होती है। जब ये दोनों तत्व श्रद्धा और विश्वास के साथ ग्रहण किए जाते हैं, तो यह न केवल बुध ग्रह को मजबूत करते हैं, बल्कि आपके मानसिक संतुलन और सोचने की क्षमता को भी बढ़ाते हैं।

बुध मजबूत होने के फायदे

व्यापार और नौकरी में बेहतर फैसले लेने की क्षमता
आत्मविश्वास और आकर्षक व्यक्तित्व
रिश्तों में मिठास और संवाद कौशल में सुधार
पढ़ाई और करियर में तरक्की
सेहत और मानसिक शांति में सुधार

ध्यान देने वाली बातें

इस उपाय को करते समय मन में कोई संदेह न रखें।

बुधवार को हरा रंग पहनना और हरी मूंग दान करना भी बुध के लिए लाभकारी माना जाता है।

नकारात्मक सोच, गुस्सा और बेवजह की बहस से बचें, क्योंकि ये बुध की ऊर्जा को कम कर सकते हैं।

तेहरान में काम करने के लिए तुरंत हां कहा था

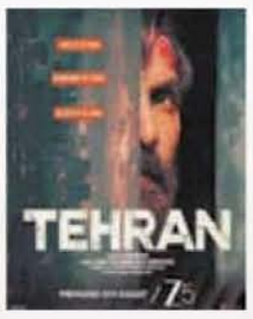

अभिनेत्री मधुरिमा तुली अपनी फिल्म तेहरान को लेकर सुर्खियों में हैं। फिल्म में उन्होंने जॉन अब्राहम के विपरीत जासूस काजल सिंघानिया का रोल निभाया है। फिल्म में अपने रोल के बारे में मधुरिमा ने कहा कि पिछली फिल्मों के मुकाबले इस फिल्म में उनका रोल एकदम अलग और नया है। बातचीत में मधुरिमा तुली ने कहा मेरे पिछले किरदारों के मुकाबले तेहरान में मेरा रोल सबसे अलग और नया है। मैंन पहले काल्पनिक रोल जैसे राजकुमारी, पुलिस और योद्धा का किरदार निभाया था लेकिन इस फिल्म में असली रोल निभाया है। यह रोल किसी से प्रेरित नहीं है। इस रोल से मैंने जुड़ाव महसूस किया है। मधुरिमा ने बताया कि वह इस फिल्म में काम करने के लिए बहुत जल्दी तैयार हो गई थीं। उन्होंने कहा तेहरान का पूरा सेट बहुत अच्छा था, चाहे वह मेरे साथी कलाकार हों, प्रोडक्शन हाउस मैडॉक फिल्म्स हो या फिर कहानी हो। यह सच्ची घटना पर आधारित है। सब कुछ बहुत अच्छा था। इसलिए इस फिल्म को ना कहने के लिए मेरे पास कोई कारण नहीं था। जब मैंने सुना कि यह रोल जॉन के विपरीत है तो मैंने तुरंत इसके लिए हां कह दिया। मधुरिमा को लगता है कि तेहरान ने उन्हें एक जमीनी और भावनात्मक स्तर पर रोल निभाने का मौका दिया है। फिल्म में उन्होंने महिलाओं की ताकत को दर्शाया जो अपने प्रियजनों का सपोर्ट करती है।

बिपाशा पर मृणाल ठाकुर की टिप्पणी को लेकर उर्फी ने दी प्रतिक्रिया

मृणाल ठाकुर अपने एक पुराने वीडियो को लेकर सुर्खियों में हैं। मृणाल इस वीडियो में कथित तौर पर अभिनेत्री बिपाशा बसु की बॉडी पर तंज कसती दिखी हैं। वे खुद को बिपाशा से ज्यादा खूबसूरत बता रही हैं और कहती हैं कि बिपाशा के मैनली मसल्स हैं। इस पर बिपाशा बसु ने एक क्रिप्टिक पोस्ट के जरिए मृणाल को जवाब दिया। मृणाल ठाकुर इस पर सफाई देकर माफी मांग चुकी हैं। अब उर्फी जावेद ने इस वीडियो पर प्रतिक्रिया दी है।

उर्फी ने लिखा, हम सभी ने ऐसी बातें कही हैं मृणाल ठाकुर ने इस वायरल वीडियो में जो कुछ कहा, उसने तूल पकड़ लिया है। बिपाशा के फैंस मृणाल को ट्रोल कर रहे हैं। उनकी समझ पर सवाल उठाए जा रहे हैं। इस बीच उर्फी जावेद ने मृणाल ठाकुर का बचाव किया है। उर्फी ने आज शुक्रवार को मृणाल का वह पुराना वीडियो अपनी इंस्टा स्टोरी पर शेयर किया है और इसके साथ लिखा है, हम सभी ने अतीत में ऐसी बातें कही हैं। विचारधाराओं में बदलाव होता है उर्फी ने लिखा है, जब हम युवा होते हैं तो हमें कुछ भी बेहतर नहीं पता होता, हम हर दिन सीखते और बढ़ते हैं। हम सभी ने अतीत में ऐसी बातें कही हैं, जिनसे अब हम सहमत नहीं हैं, क्योंकि हम विकसित होते हैं, बदलते हैं, हमारे नैतिक मूल्य भी बदलते हैं। विचारधाराओं में भी बदलाव होता है। मैंने पिछले इंटरव्यू में भी कुछ ऐसी बातें कही हैं, जो मुझे पसंद नहीं हैं।

मृणाल ने मांगी थी माफी

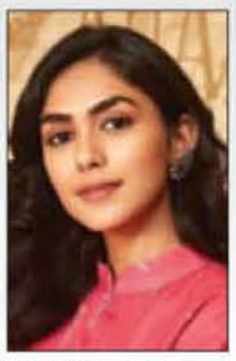

बता दें कि मृणाल ठाकुर ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर कर इस टिप्पणी पर सफाई दी थी कि उन्होंने इरादतन कोई बात नहीं कही थी। अभिनेत्री ने पोस्ट में लिखा, 19 साल की उम्र में मैंने टीनएज में कई ऐसी बेवकूफी भरी बेतुकी बातें कही थीं। मुझे यह समझ नहीं थी कि आवाज में कितनी ताकत होती है या महज मजाक में भी कहे गए शब्द कितना दुख पहुंचा सकते हैं। लेकिन ऐसा हुआ और इसके लिए मुझे बहुत अफसोस है। मेरा इरादा कभी किसी को बॉडी शेम करने का नहीं था। यह एक इंटरव्यू में मजाकिया अंदाज में कही गई बात थी। यह मजाक हद से ज्यादा बढ़ गया। काश मैंने अपने शब्द अलग तरह से चुने होते। समय के साथ, मैं समझने लगी हूं कि सुंदरता हर रूप में होती है और अब मैं इसी को सच में महत्व देती हूं।

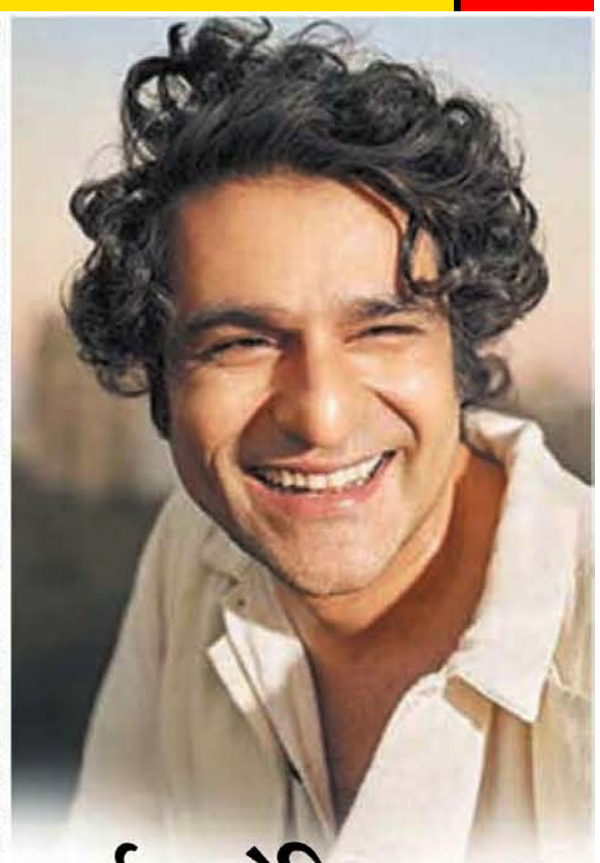

कई बायोपिक करना चाहते हैं सनी हिंदुजा

पॉपुलर वेब सीरीज एस्पिरेंट्स का संदीप भैया का किरदार आज भी ऑडियंस के दिलों में एक खास जगह बनाए हुए है। इस किरदार को निभाने वाले अभिनेता सनी हिंदुजा अब एक नए रोल में नजर आएंगे। वो वेब सीरीज सारे जहां से अच्छा में पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के एजेंट के किरदार में दिखेंगे।

एक्टर हमेशा भूखा रहता है...

बातचीत में सनी हिंदुजा ने कहा, एक्टर होता है तो भूखा होता है, मतलब हमेशा अच्छे रोल्स का इंतजार करता रहता है। मैं भी उसी कड़ी में हूं। अच्छे राइटर्स, अच्छे मेकर्स और अच्छे प्लेटफॉर्म्स के लिए इंतजार करना पड़ता है।

लोगों का प्यार गहरा होता है, भले नाम न जानें

एक्टर ने आगे कहा कि ट्रोलर्स के जो चुटकुले बनते हैं, उन्हें देखकर लगता है कि लोगों की मोहब्बत कितनी गहरी है। भले वे मेरा नाम भी सही से न जानते हों। कोई मुझे संदीप भैया बुलाता है, कोई 'सनी' ही समझ लेता है। अब कुछ लोग मुझे पाकिस्तानी आईएसआई एजेंट समझ बैठे हैं, मजाक अलग है लेकिन ये भी एक तरह का प्यार ही है।

बायोपिक्स करना चाहते हैं सनी हिंदुजा

अभिनेता ने आगे कहा कि हां, ऐसा बिल्कुल नहीं है कि मैं संतुष्ट हूं। मैं चाहता हूं कि मैं बायोपिक्स करूं, अलग-अलग किरदार निभाऊं, खुद को एक्सप्लोर करूं। लेकिन जो भी रोल मिले, उसमें पूरी मेहनत और लगन से काम करना चाहिए। छोटे या बड़े रोल से फर्क नहीं पड़ता, जो दिल से निभाए वही कामयाब होता है।

हर किरदार में देना चाहिए सर्वश्रेष्ठ

सनी ने यह भी बताया कि एक्टिंग में सही स्क्रिप्ट, टीम और रोल मिलना कितना जरूरी है। उन्होंने कहा कि जब आपको अच्छी स्क्रिप्ट मिलती है और रोल में जान डालने का मौका मिलता है, तो आपको वह काम पूरे दिल से करना होता है। चाहे वह आईएएस बनने की कोशिश कर रहा संदीप भैया हो या एक जासूस जैसा पाकिस्तानी आईएसआई एजेंट, हर किरदार में आपको अपना सर्वश्रेष्ठ देना होता है।

लोगों से मिले प्यार को खास मानते हैं सनी

जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें कभी ऐसा महसूस हुआ कि उन्हें वह रोल नहीं मिला जिसकी वे हकदार थे और क्या वे अभी भी उस खास मौके का इंतजार कर रहे हैं। इस पर सनी ने जवाब देते हुए कहा कि सच्चाई ये है कि मैं आज जिस पोजीशन पर हूं, वह बहुत खास है। इतना प्यार मिलता है कि मेरा पैशन और प्रोफेशन दोनों साथ-साथ चल रहे हैं। अगर ये मुझे नहीं मिला होता, तो मैं बस एक्टिंग करता रहता, लेकिन इतनी जल्दी प्यार और पहचान मिलना मेरे लिए बड़ी खुशी की बात है।

कार्तिक आर्यन के हाथ लगी इस निर्देशक शिमित अमिन की फिल्म

अभिनेता कार्तिक आर्यन की आगामी फिल्म की चर्चा हो रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक वे आगामी फिल्म कैप्टन इंडिया में वायुसेना पायलट की भूमिका निभाते दिखेंगे। कार्तिक आर्यन के हाथ निर्देशक शिमित अमिन की फिल्म लगी है, जिसमें वे पायलट का रोल करेंगे। शिमित अमिन के साथ कार्तिक आर्यन की यह पहली फिल्म होगी। बता दें कि शिमित को अब तक छप्पन और चक दे! इंडिया जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है।

पिंकविला की एक रिपोर्ट के मुताबिक, कार्तिक और शिमित पिछले एक साल से बातचीत कर रहे थे। दोनों के बीच कई विषयों पर बातचीत चल रही थी। इसी बीच शिमित ने कार्तिक को कैप्टन इंडिया के बारे में बताया। उन्हें यह कहानी काफी दिलचस्प लगी। सूत्र ने आगे कहा, शिमित ने कैप्टन इंडिया के लिए एक शानदार स्क्रीनप्ले तैयार किया है। वे 2026 की पहली छमाही में कार्तिक के साथ फिल्म की शूटिंग शुरू करने की तैयारी में हैं। शिमित ने जब कार्तिक को फिल्म की कहानी सुनाई, तो एक्टर को भी स्क्रिप्ट काफी पसंद आई है। फिल्म की शूटिंग मार्च से जुलाई 2026 तक निर्धारित है।

मधुर भंडारकर ने शुरू की 'द वाइफ्स' की शूटिंग ओरी संग नजर आईं मौनी रॉय

डायरेक्टर मधुर भंडारकार ने अपनी अपकमिंग फिल्म 'द वाइफ्स' की घोषणा पिछले दिनों की। यह फिल्म बॉलीवुड स्टार वाइफ्स के ऊपर बन रही है। एक चर्चित एक्ट्रेस फिल्म में लीड रोल निभा रही हैं। वहीं इंफ्लुएंसर ओरी भी एक अहम किरदार इस फिल्म में कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें ओरी ने इस फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। साथ में वह चर्चित एक्ट्रेस भी नजर आ रही हैं।

मधुर भंडारकर संग बातचीत करता दिखा ओरी

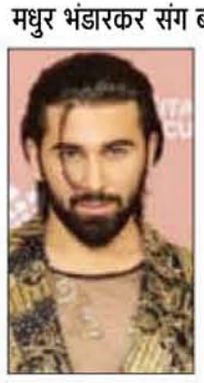

सोशल मीडिया पर जो वीडियो वायरल है, उसमें डायरेक्टर मधुर ओरी और लीड एक्ट्रेस के साथ नजर आए। इंफ्लुएंसर ओरी भी अपने किरदार में नजर आ रहा है। वह ट्रेडिशनल ड्रेस पहने सेट पर मौजूद दिखा। डायरेक्टर और इन एक्टर्स के बीच किसी बात को लेकर डिस्कशन हो रहा था।

मौनी रॉय बॉलीवुड स्टार वाइफ के रोल में नजर आएंगी

सेट पर मौनी रॉय भी दिखीं। वह लाल साड़ी पहने नजर आई। फिल्म में वह एक बॉलीवुड स्टार वाइफ के रोल में नजर आएंगी। मौनी इस फिल्म में लीड रोल में होंगी। पिछले दिनों मौनी के साथ फोटो साझा करते हुए मधुर भंडारकर ने यह जानकारी साझा की थी। मधुर भंडारकर 'फैशन', 'चांदनी बार', 'हीरोइन' और 'पेज 3' जैसी फिल्मों में अलग-अलग इंडस्ट्री की चमक के पीछे की दुनिया को दिखा चुके हैं। अब वो बॉलीवुड स्टार वाइफ्स की चमकदार दुनिया को बड़े पर्दे पर दर्शकों को दिखाएंगे। बॉलीवुड के कई राज भी वह इस फिल्म के जरिए खोल सकते हैं।

प्रतीक गांधी ने बताया फिल्म इंडस्ट्री का असली सच

अभिनेता प्रतीक गांधी अपनी नई वेब सीरीज सारे जहां से अच्छा में एक एजेंट का किरदार निभाते नजर आएंगे। हाल ही में अमर उजाला डिजिटल से खास बातचीत में उन्होंने इस सीरीज की तैयारी? अपने किरदार की गहराई और स्कैम 1992 की सफलता के बाद अपनी फिल्मों को मिले मिक्स रिस्पॉन्स के बारे में अनुभव साझा किए। साथ ही, थिएटर की मौजूदा चुनौतियों और अपने अगले प्रोजेक्ट का जिक्र भी किया। वह महात्मा गांधी का रोल निभाने वाले हैं।

एजेंट के रोल की तैयारी करने में आपको सबसे ज्यादा क्या खास लगा?

सीरीज की शूटिंग शुरू करने से पहले मैंने नेटफ्लिक्स पर एक फिल्म देखी थी, जो जासूसों की जिंदगी को बहुत ही नए और दिलचस्प तरीके से दिखाती है। यह अनुभव मेरे लिए बहुत नया था और इससे मुझे विष्णु के किरदार को समझने में मदद मिली। मैंने स्क्रिप्ट को बहुत ध्यान से पढ़ा क्योंकि इसमें बहुत कुछ था जो जानना और महसूस करना जरूरी था। रीडिंग मटीरियल स्क्रिप्ट से कहीं ज्यादा था। चूंकि यह एक लंबी सीरीज थी, इसलिए किरदार की पूरी कहानी को समझना था। आधा पढ़कर मैं फैसला नहीं कर पाया क्योंकि पढ़ने में इतना मजा आ रहा था कि रुकना मुश्किल था। इसे पढ़ते-पढ़ते मुझे यकीन हो गया कि यह शो बहुत अच्छा बनेगा।

शूटिंग के दौरान कोई ऐसी बात जो आपको चौंकाने वाली लगी हो?

हां, बहुत कुछ। जैसे डॉक्टर भाबा के प्लेन क्रैश की घटना, जो सच है। लेकिन इसके आस-पास कितनी जिंदगियों पर असर पड़ा होगा, ये सोचकर मैं बहुत प्रभावित हुआ। इन एजेंट्स के अंदर जो भावनात्मक उलझन होती है, इतनी सारी जानकारी लेकर कैसे जिया जाता है? ये समझना बहुत ही दिलचस्प था। ये लोग हमारे आसपास होते हैं, सामान्य लगते हैं, लेकिन उनकी जिंदगी बिल्कुल अलग होती है। उनका नाम कभी अखबारों में नहीं आता, न उन्हें कोई मेडल मिलता है। ये चुपचाप अपना काम करते हैं, इतने प्रेशर के बीच। ये मेरे लिए बेहद खास अनुभव था।

फिजिकल-मेंटल प्रिपरेशन कैसी रही?

इसमें फाइट सीन नहीं थे, क्योंकि एजेंट का काम ही ये है कि फाइट तक ना पहुंचे। मिशन फेल हो चुका होता अगर फाइट करनी पड़ी। इसलिए हमें ज्यादा साइकोलॉजिकल और मेंटल ट्रेनिंग मिली। रिएक्टिव ना होकर रिस्पॉन्सिव रहना, डायलॉग के बीच का गैप, जहां अंदर प्रोसेसिंग होती है, उसे समझना। 70 के दशक के लोगों के चलने-फिरने और बोलने के अंदाज को समझना भी बहुत जरूरी था।

आपको एजेंट की मानसिक स्थिति को समझने में क्या सबसे ज्यादा दिलचस्प लगा?

ये लोग अपनी सफलता का जश्न कभी नहीं मना पाते। न उन्हें मेडल मिलते हैं, न नाम अखबार में आता है। ये लोग बहुत प्रेशर के बीच चुपचाप अपना काम करते हैं। इस बात को एक्सप्लोर करना मेरे लिए कमाल का अनुभव था।

'स्कैम 1992' के बाद क्या आपको लगा कि हमेशा एक जैसे रोल मिल रहे हैं?

नहीं, ऐसा कभी नहीं लगा। हर बार नया किरदार मिला है। लोग मुझे अलग-अलग किरदारों के लिए सोचते हैं। मुझे लगता है कि मैं अपने किरदारों में कुछ नया लेकर आता हूं। स्टीरियोटाइप से बचना मुश्किल है, लेकिन मैं कोशिश करता हूं, इस चीज से खुद को दूर रखूं।

क्या आपको लगता है कि फिल्म इंडस्ट्री में ऐसी कोई व्यवस्था होनी चाहिए जिससे अच्छी फिल्में ज्यादा लोगों तक पहुंचें?

बिलकुल। इंडस्ट्री में काफी इनोवेशन की जरूरत है। टेक्नोलॉजी तो है, बस उस ऑडियंस तक पहुंचने का रास्ता ढूंढना होगा। इंडस्ट्री धीरे-धीरे उस दिशा में बढ़ रही है, लेकिन और सुधार की जरूरत है।

आप अगले प्रोजेक्ट में महात्मा गांधी का किरदार निभा रहे हैं और आपकी सीरीज टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में चुनी गई है?

यह मेरे लिए एक बहुत खास मौका है। महात्मा गांधी जैसा बड़ा किरदार निभाना बहुत बड़ी जिम्मेदारी होती है। इसे निभाने के लिए बहुत तैयारी करनी पड़ती है, क्योंकि गांधीजी की जिंदगी में कई पहलू हैं जो समझने जरूरी हैं। इस रोल को निभाना मेरे लिए गर्व की बात है। साथ ही, सीरीज गांधी का टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में सेलेक्ट होना इस सफर की बड़ी सफलता है, जिससे मैं बहुत खुश हूं।

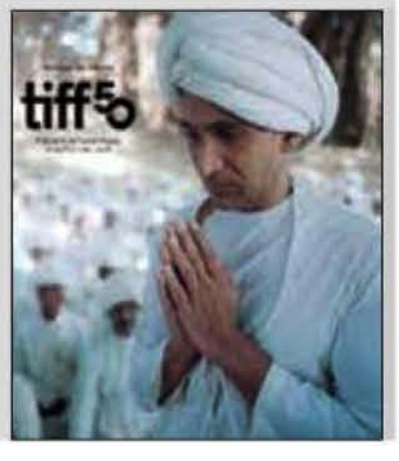

साकार हो रहा है दिव्यांगों का सशक्तिकरण का सपना : बीएल वर्मा

नोएडा (चेतना मंच)। केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण तथा सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री बीएल वर्मा ने सेक्टर-70 में स्थित फर्स्टवन रिहैब फाउंडेशन का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने दिव्यांग बच्चों से बातचीत की और फाउंडेशन द्वारा प्रदान की जा रही पुनर्वास सेवाओं की सराहना की।

मंत्री ने फाउंडेशन के निदेशक डॉ. महीपाल सिंह और डॉ. दीक्षा श्रीवास्तव के साथ केंद्र का भ्रमण किया। मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. सुष्मिता भाटी और प्रशासन प्रमुख कृष्णा यादव ने राज्यमंत्री का स्वागत किया, जबकि विशेष शिक्षिका इलिका रावत ने बच्चों का परिचय करवाया।

इस मौके पर डिजिटल एवं सोशल मीडिया मैनेजर सौम्या सोनी ने राज्यमंत्री को अपनी मैगजीन और पुष्प देकर उन्हें भेंट दी। इस दौरान बच्चों में खुशी, आराध्या, शौर्य, ग्रंथ, आर्या, विदांश, नैतिक, सारांश आदि ने साथ बातचीत की और उनके साथ समय बिताया। बच्चों की उपस्थिति और उत्साह ने इस अवसर को और भी विशेष बना दिया। इसका उद्देश्य दिव्यांग व्यक्तियों के लिए समर्थन और समावेश को बढ़ावा देना था, जो सरकार की पहल के अनुरूप है। फाउंडेशन के पुनर्वास और विशेष शिक्षा के कार्य की मंत्री ने सराहना की और ऐसे संस्थानों के महत्व पर जोर दिया जो दिव्यांग व्यक्तियों के जीवन को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

बीएल वर्मा ने बच्चों को प्रेरित करते हुए संबोधित किया और कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा दिया गया शब्द दिव्यांग अब सच में साकार होता दिखाई दे रहा है। आज इन बच्चों से मिलकर, इनके द्वारा बनाई गई इन-हाउस पत्रिका और न्यूज़लेटर देखकर मुझे अत्यंत खुशी प्राप्त हुई।

गौशाला, नंद बाबा दुग्ध मिशन एवं बर्ड फ्लू टास्क फोर्स की समीक्षा बैठक सम्पन्न

नोएडा (चेतना मंच)। जिलाधिकारी के निर्देशों के क्रम में मुख्य विकास अधिकारी डॉ. शिवाकांत द्विवेदी की अध्यक्षता में विकास भवन के सभागार में जनपद स्तरीय निराश्रित गोवंश आश्रय स्थल की स्थापना, संचालन, अनुश्रवण एवं मूल्यांकन समिति, बर्ड फ्लू जनपद स्तरीय टास्क फोर्स समिति तथा नंद बाबा दुग्ध मिशन की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक के दौरान मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ अरुण कुमार ने अवगत कराया कि जनपद में वर्तमान समय में कुल 18 गौशालाएं संचालित हो रही हैं, जिनमें सभी संरक्षित गोवंशों का टीकाकरण पूर्ण हो चुका है तथा प्रत्येक गोवंश का ईयर टैगिंग कार्य भी सुनिश्चित किया गया है।

मुख्य विकास अधिकारी ने गौशालाओं में संरक्षित गोवंशों के बेहतर रख-रखाव हेतु कई महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गोवंश के भरण-पोषण के लिए पर्याप्त मात्रा में सूखा व हरा चारा तथा संतुलित आहार पर्याप्त मात्रा में रहे। इसके साथ ही स्वच्छ पेयजल एवं साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्था बनी रहे। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनपद की समस्त गौ आश्रय स्थलों पर सीसीटीवी कैमरे, पर्याप्त लाइट की व्यवस्था रहे, जिन गौशालाओं में सीसीटीवी कैमरे और लाइट नहीं है वहा पर तत्काल लगाए जाने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए और अधिकारियों द्वारा समय-समय पर गौशालाओं का औचक निरीक्षण किया जाये। इसके अलावा कब्जा मुक्त गोचर भूमि पर चारा उत्पादन की कार्रवाई करने तथा गो संवर्धन एवं संरक्षण कोष में धनराशि वृद्धि हेतु ठोस कार्ययोजना बनाने के निर्देश भी दिए।

बैठक में उप जिलाधिकारी सदर आशुतोष गुप्ता, उप जिलाधिकारी दादरी अनुज नेहरा, मुख्य कोषाधिकारी शिखा गुप्ता, एसीपी हेडक्वार्टर कल्पना गुप्ता, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी टीकम सिंह, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी कुमुद चौधरी, खंड विकास अधिकारी दादरी नेहा सिंह, जेवर अशोक पाल सिंह व प्राधिकरण, नगर पालिका, नगर पंचायत तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

पुलिस कमिश्नर ने किया एनएमसी की फोटो प्रदर्शनी का उद्घाटन

नोएडा (चेतना मंच)। विश्व फोटोग्राफी दिवस के अवसर पर नोएडा मीडिया क्लब में तीन दिवसीय फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है। यह प्रदर्शनी 21 अगस्त तक सेक्टर-29 स्थित मीडिया क्लब में चलेगी। मंगलवार को प्रदर्शनी का शुभारंभ गौतमबुद्धनगर की पुलिस कमिश्नर श्रीमती लक्ष्मी सिंह ने किया।

उद्घाटन के बाद उन्होंने गैलरी में प्रदर्शित तस्वीरों का अवलोकन किया और फोटो पत्रकारों की मेहनत की सराहना की। उन्होंने कहा, एक तस्वीर हजारों भावों को बयां करती है और इसके पीछे फोटोग्राफर की गहरी सोच और कड़ी मेहनत होती है। मीडिया क्लब की इस पहल को अंतरराष्ट्रीय स्तर तक ले जाने की जरूरत है, जिसमें पुलिस प्रशासन हरसंभव सहयोग करेगा।

इस मौके पर मीडिया क्लब अध्यक्ष आलोक द्विवेदी ने पुलिस कमिश्नर को पुष्पगुच्छ और प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया। वहीं महासचिव जेपी सिंह, उपाध्यक्ष अमित चौधरी, सचिव जगदीश शर्मा, कोषाध्यक्ष मनोज वत्स और कार्यकारिणी सदस्य आंचल यादव ने अन्य अतिथियों का स्वागत और अभिनदंन किया।

कार्यक्रम में एडिशनल पुलिस कमिश्नर राजीव नारायण मिश्रा, डीसीपी नोएडा यमुना प्रसाद, डीसीपी ट्रैफिक लखन सिंह, एडिशनल डीसीपी सुमित शुक्ल, एसीपी प्रथम प्रवीण कुमार सिंह, नोएडा एंट्रेप्रेन्योर्स एसोसिएशन अध्यक्ष विपिन मल्हन, महासचिव वी.के. सेठ, नोएडा एम्प्लाइज एसोसिएशन अध्यक्ष राजकुमार चौधरी, फोनरवा अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

क्लब अध्यक्ष आलोक द्विवेदी ने बताया कि इस वर्ष भी प्रदर्शनी में नोएडा, ग्रेटर नोएडा और दिल्ली-एनसीआर के 50 से अधिक फोटो जर्नलिस्टों की कृतियों को प्रदर्शित किया गया है। सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक जारी रहने वाली इस प्रदर्शनी में खेल, अध्यात्म, संस्कृति, मनोरंजन और सामाजिक मुद्दों से जुड़ी तस्वीरें आकर्षण का केंद्र बनी हैं।

सेक्टर-99 के एलआईजी फ्लैट में बड़ा हादसा टला

नोएडा (चेतना मंच)। आज फिर सेक्टर-99 LIG (बेस्ट व्यू अपार्टमेंट) में प्लास्टर भरभराकर गिर पड़ा। सौभाग्य से परिवार सुरक्षित बच गया।

सेक्टर निवासी लगातार नोएडा प्राधिकरण को आगाह कर रहे हैं कि लटके हुए प्लास्टर हटवाए जाएं, मगर वर्षों से कोई कार्रवाई नहीं हुई। बार-बार निवेदन के बाद भी प्राधिकरण के अधिकारी चुप्पी साधे बड़े हादसे का इंतजार कर रहे हैं। इसको लेकर सेक्टर के लोगों में काफी रोष है। यदि समय रहते कार्यवाही न हुई तो किसी भी दिन बड़ा हादसा होगा और उसकी पूरी जिम्मेदारी प्राधिकरण पर होगी।

तहसील टास्क फोर्स बैठक संपन्न, शत-प्रतिशत टीकाकरण पर जोर

नोएडा (चेतना मंच)। तहसील सदर सभागार में उपजिलाधिकारी आशुतोष गुप्ता की अध्यक्षता में तहसील टास्क फोर्स (टीटीएफ) अंतर्विभागीय बैठक आयोजित की गई, जिसमें स्वास्थ्य विभाग से स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी, आईसीडीएस विभाग से सीडीपीओ संध्या सोनी, जीएवीआई टीम से सीएसओ शिवेंद्र श्रीवास्तव एवं शमशाद अहमद, यूनिसेफ के डीएमसी आशीष सक्सेना, शिक्षा विभाग एवं नगर विकास विभाग के प्रतिनिधि सहित विभिन्न विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

बैठक में संभव अभियान एवं टीकाकरण से वंचित अथवा विरोध करने वाले परिवारों की स्थिति की विस्तार से समीक्षा की गई। उपजिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि क्षेत्र के राशन डीलर, लेखपाल एवं स्थानीय प्रभावशाली व्यक्तियों को सक्रिय रूप से जोड़ा जाए ताकि बच्चों के शत-प्रतिशत टीकाकरण को सुनिश्चित किया जा सके।

बैठक में यह तय किया गया कि सभी विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी निर्धारित तिथियों पर परिवारों से संपर्क करेंगे और एएनएम, आशा तथा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की बैठकें कराकर जनजागरूकता बढ़ाई जाएगी। गर्भवती माताओं का वजन नियमित रूप से पोषण ट्रैकर पर दर्ज करने और गंभीर कुपोषित (SAM) बच्चों की सूची बनाकर ई-कवच पोर्टल पर अपलोड करने के भी निर्देश दिए गए। उपजिलाधिकारी ने यह भी कहा कि सभी तहसील स्तरीय अधिकारी एवं कर्मचारी एक-एक गाँव को गोद लेकर अभियान को सफल बनाने में सहयोग करें।

टीकाकरण में जहाँ 10 से 16 बच्चों की समस्या पाई जा रही है वहाँ संबंधित विद्यालयों को चिन्हित कर अधिकारियों की विशेष ड्यूटी लगाई जाएगी। उपजिलाधिकारी महोदय ने जोर देकर कहा कि विभागीय समन्वय एवं समुदाय स्तर पर व्यापक जनजागरूकता से शून्य डोज़ एवं आंशिक रूप से वंचित बच्चों को भी पूर्ण टीकाकरण के दायरे में लाना सुनिश्चित किया जाए।

राकेश टिकैत का कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत के नोएडा आगमन पर कार्यकर्ताओं एवं किसानों ने उनका स्वागत किया। गौतमबुद्धनगर के भाकियू जिला अध्यक्ष अशोक भाटी ने क्षेत्रीय समस्याओं के समाधान के लिए समाज एवं संगठन के लोगों से मुलाकात कराई।

भाकियू जिलाध्यक्ष अशोक भाटी ने तीनों प्राधिकरण से संबंधित समस्याओं एवं अन्य किसानों से संबंधित समस्याओं से राकेश टिकैत को अवगत कराया। इसके अलावा आगामी 26 अगस्त को जेवर में किसानों की समस्याओं को लेकर होने वाली पंचायत के विचार विमर्श हुआ। गुर्जर समाज के लोगो ने इस दौरान मोमेंटो देकर राकेश टिकैत के नोएडा आगमन पर आभार जताया।

इस मौके पर राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी सुभाष चौधरी, परविंदर अवाना, जीत सिंह अवाना, आजाद चौहान, महाराज सिंह अवाना, रणवीर भाटी, अरुण अवाना, सतपाल चौधरी, वीरपाल अवाना, सचिन अवाना, सुभाष भाटी सहित अन्य लोग मौजूद थे।

स्वागत कार्यक्रम के पश्चात भाकियू राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत मध्य प्रदेश में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए निकल गए।

आईटीआई में कौशल विकास केन्द्र का हुआ शुभारंभ

नोएडा (चेतना मंच)। अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से प्रभावित किसानों के परिवारों के भविष्य को सुरक्षित एवं सशक्त बनाने की दिशा में नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट और यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के सामूहिक सहयोग से मुख्य अतिथि जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने जेवर स्थित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (ITI) में कौशल विकास केंद्र का विधिवत शुभारंभ किया। इस मौके पर नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के सीईओ क्रिस्टोफ़ श्नेलमैन, यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के एसीईओ नगेन्द्र सिंह, विशेष कार्याधिकारी शैलेन्द्र भाटिया, उपजिलाधिकारी जेवर अभय सिंह सिंह और ITI कॉलेज के प्रधानाचार्य भी उपस्थित रहे।

जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने आगे कहा कि इसी प्रकार और भी कौशल विकास केंद्र शीघ्र खोले जाएंगे, ताकि अधिक से अधिक युवाओं को इसका लाभ मिल सके और वह रोजगार प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ सकें।

इस कौशल विकास केन्द्र के माध्यम से युवाओं को न केवल नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट में समायोजित किया जाएगा, बल्कि उन्हें स्थानीय औद्योगिक इकाईयों में भी कार्य करने के योग्य बनाया जाएगा।

जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने आगे कहा कि आज उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ यहां के संसाधन और क्षमता को देखते हुए प्रदेश की तरक्की में लगे हुए हैं। आज से लगभग 10 साल पहले तक उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था 05-06वें पायदान पर हुआ करती थी। अब उत्तर प्रदेश, देश में दूसरी सबसे तेज बढ़ती अर्थव्यवस्था वाला राज्य बन चुका है तथा शीघ्र ही उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था पहले पायदान पर पहुंच जाएगी।

जिला कृषि रक्षा अधिकारी ने जारी की एडवाइजरी

नोएडा (चेतना मंच)। उप कृषि निदेशक/जिला कृषि रक्षा अधिकारी गौतमबुद्धनगर राजीव कुमार ने जनपद के समस्त कृषकों को बताया कि खरीफ फसलों में मुख्यतः धान, मक्का, मूँगफली, उर्द/मूँग एवं गन्ना प्रमुख फसले है। वर्तमान में प्रदेश के विभिन्न जनपदों में वर्षा एवं तापमान में उतार-चढाव के कारण फसलों में लगने वाले सामायिक कीट/रोग के प्रकोप की सम्भावना के दृष्टिगत बचाव एवं प्रबन्धन हेतु कृषक बिंदुवार फसलवार सुझाव एवं संस्तुतियॉ अपना कर फसल को सामायिक कीट/रोग के प्रकोप बचा सकते हैं।